

वर्तमान काल के २४ तीर्थकरों के नामादि

क्र. सं.	नाम	लाङ्घन	वर्ण
१.	ऋषभदेव	वृषभ इब्रैलट	काज्चन इन्सुवर्णट
२.	अजितनाथ	हस्ती इहाथीट	काज्चन
३.	संभवनाथ	अश्व इघोडाट	काज्चन
४.	अभिनंदन स्वामी	वानर इबंदरट	काज्चन
५.	सुमतिनाथ	क्रौञ्चपक्षी	काज्चन
६.	पद्मप्रभ स्वामी	पद्म इकमलट	रक्त इलालट
७.	सुपार्वनाथ	स्वस्तिक	काज्चन
८.	चन्द्रप्रभ स्वामी	चन्द्र	श्वेत इउज्ज्वलट
९.	सुविधिनाथ	मगरमच्छ	उज्ज्वल
१०.	शीतलनाथ	श्रीवत्स	काज्चन
११.	श्रेयांसनाथ	गैङ्डा	काज्चन
१२.	वासुपूज्य स्वामी	पाड़ा	लाल
१३.	विमलनाथ	वराह	काज्चन
१४.	अनन्तनाथ	बाज	काज्चन
१५.	धर्मनाथ	वज्र	काज्चन

Names etc. of the 24 tīrthaṅkaras of present era

S. no.	Name	Mark	Colour
1.	r̥ṣabhadeva	Bullock	Golden
2.	ajitanātha	Elephant	Golden
3.	sambhavanātha	Horse	Golden
4.	abhinandana svāmī	Monkey	Golden
5.	sumatinātha	Crane	Golden
6.	padmaprabha svāmī	Lotus	Red
7.	supārśvanātha	Swastik	Golden
8.	candraprabha svāmī	Moon	White
9.	suvidhinātha	Crocodial	White
10.	śītalanātha	śrīvatsa	Golden
11.	śreyānsanātha	Rhinoceros	Golden
12.	vāsupūjya svāmī	He-buffalo	Red
13.	vimalanātha	Boar	Golden
14.	anantanātha	Hawk	Golden
15.	dharmanātha	Thunderbolt	Golden

चौवीस जिन वर्ण	काव्य विभाग	१९	kāvya part	cauvīsa jina varṇa caityavandana
चत्यवंदन १६. शांतिनाथ	मृग झ्रहणट	काञ्चन	16. śāntinātha	Deer Golden
१७. कुन्थुनाथ	छाग झ्रकराट	काञ्चन	17. kunthunātha	Goat Golden
१८. अरनाथ	नंदावर्त	काञ्चन	18. aranātha	nandāvarta Golden
१९. मल्लिनाथ	कुम्भ	नीला	19. mallinātha	Pitcher Blue
२०. मुनिसुव्रत स्वामी	कछुआ	कृष्ण झश्यामट	20. munisuvrata svāmī	Tortoise Black
२१. नमिनाथ	नीला-कमल	काञ्चन	21. naminātha	Blue-lotus Golden
२२. नेमिनाथ	शंख	श्याम	22. neminātha	Conch-shell Black
२३. पार्श्वनाथ	सर्प	नीला	23. pārśvanātha	Snake Blue
२४. महावीर स्वामी	सिंह	काञ्चन	24. mahāvīra svāmī	Lion Golden
२० विहरमान जिनेश्वरों के नाम			Names of 20 viharamāna jineśvaras	
क्र. सं.	नाम	S. no.	Name	
१.	सीमंधर स्वामी	1.	śimandhara svāmī	
२.	युगमंधर स्वामी	2.	yugamandhara svāmī	
३.	बाहु स्वामी	3.	bāhu svāmī	
४.	सुबाहु स्वामी	4.	subāhu svāmī	
५.	सुजात स्वामी	5.	sujāta svāmī	

६.	स्वयंप्रभ स्वामी	6.	<i>svayamprabha svāmī</i>
७.	ऋषभानन स्वामी	7.	<i>r̥ṣabhānana svāmī</i>
८.	अनन्तवीर्य स्वामी	8.	<i>anantavīrya svāmī</i>
९.	सुरप्रभ स्वामी	9.	<i>suraprabha svāmī</i>
१०.	विशाल स्वामी	10.	<i>viśāla svāmī</i>
११.	वज्रधर स्वामी	11.	<i>vajradhara svāmī</i>
१२.	चंद्रानन स्वामी	12.	<i>candrānana svāmī</i>
१३.	चन्द्रबाहु स्वामी	13.	<i>candrabāhu svāmī</i>
१४.	भुजङ्ग स्वामी	14.	<i>bhujaṅga svāmī</i>
१५.	ईश्वर स्वामी	15.	<i>īśvara svāmī</i>
१६.	नेमिप्रभ स्वामी	16.	<i>nemiprabha svāmī</i>
१७.	वीरसेन स्वामी	17.	<i>vīrasena svāmī</i>
१८.	महाभद्र स्वामी	18.	<i>mahābhadra svāmī</i>
१९.	देवयशा स्वामी	19.	<i>devayaśā svāmī</i>
२०.	अजितवीर्य स्वामी	20.	<i>ajitavīrya svāmī</i>

नवपद के नाम तथा वर्ण			Names and colours of navapada		
क्र. सं.	नाम	वर्ण	S. no.	Name	Colour
१.	अरिहंत	श्वेत इसफेदट	1.	<i>arihanta</i>	White
२.	सिद्ध	रक्त इत्तलाट	2.	<i>siddha</i>	Red
३.	आचार्य	पीला	3.	<i>ācārya</i>	Yellow
४.	उपाध्याय	हरा	4.	<i>upādhyāya</i>	Green
५.	साधु	श्याम इकालाट	5.	<i>sādhu</i>	Black
६.	दर्शन	सफेद	6.	<i>darśana</i>	White
७.	ज्ञान	सफेद	7.	<i>jñāna</i>	White
८.	चारित्र	सफेद	8.	<i>cāritra</i>	White
९.	तप	सफेद	9.	<i>tapa</i>	White

दोहा संग्रह	Collections of dohā [couplets]
अ. प्रदक्षिणा के दोहे	A. Couplets of pradikṣaṇā [circumambulation]
<p>काल अनादि अनंतथी, भव भ्रमणनो नहि पार; ते भव भ्रमण निवारवा, प्रदक्षिणा दऊं त्रण वार. १.</p> <p>भमतीमां भमतां थकां, भव भावठ दूर पलाय; ज्ञान दर्शन चारित्र रूप, प्रदक्षिणा त्रण देवाय. २.</p> <p>जन्म-मरणादि सवि भय टले, सीझे जो दर्शन काज; रत्न-त्रयी प्राप्ति भणी, दर्शन करो जिन-राज. ३.</p> <p>ज्ञान वडुं संसारमां, ज्ञान परम सुख हेत; ज्ञान विना जग जीवडा, न लहे तत्त्व संकेत. ४.</p> <p>चय ते संचय कर्मनो, रिक्त करे वली जेह; चारित्र नामे निर्युक्ते कट्युं, वंदे ते गुणगेह. ५.</p> <p>ज्ञान दर्शन चारित्र ए, रत्न-त्रयी निरधार; त्रण प्रदक्षिणा ते कारणे, भव-दुःख भंजनहार. ६.</p>	<p>kāla anādi anāntathī, bhava bhramaṇano nahi pāra; te bhava bhramaṇa nivāravā, pradakṣiṇā daū<u>ऽ</u> traṇa vāra. 1.</p> <p>bhamatīmā<u>ऽ</u> bhamatā<u>ऽ</u> thakā<u>ऽ</u>, bhava bhāvaṭha dūra palāya; jñāna darśana cāritra rūpa, pradakṣiṇā traṇa devāya. 2.</p> <p>janma-maraṇādi savi bhaya ṭale, sijhe jo darśana kāja; ratna-trayī prāpti bhaṇī, darśana karo jina-rāja. 3.</p> <p>jñāna vaḍu<u>ऽ</u> sansāramā<u>ऽ</u>, jñāna parama sukha heta; jñāna vinā jaga jīvaḍā, na lahe tattva saṅketa. 4.</p> <p>caya te sañcaya karmano, rikta kare valī jeha; cāritra nāme niryukte kahyu<u>ऽ</u>, vande te guṇageha. 5.</p> <p>jñāna darśana cāritra e, ratna-trayī niradhāra; traṇa pradakṣiṇā te kāraṇe, bhava-duḥkha bhañjanahāra. 6.</p>

आ. प्रभु दर्शन के समय बोलने के दोहे

प्रभु दरिशन सुख संपदा, प्रभु दरिशन नव-निधि.
 प्रभु दरिशनथी पामीए, सकल पदारथ सिद्ध. १.
 भावे जिनवर पूजीए, भावे दीजे दान.
 भावे भावना भावीए, भावे केवल-ज्ञान. २.
 जीवडा! जिनवर पूजीए, पूजानां फल होय.
 राजा नमे प्रजा नमे, आण न लोपे कोय. ३.
 फूलडां केरा बागमां, बेठा श्री जिनराय.
 जेम तारामां चन्द्रमा, तेम शोभे महाराय. ४.
 त्रि-भुवन नायक तुं धणी, मही मोटो महाराज.
 मोटे पुण्ये पामीयो, तुम दरिशन हुं आज. ५.
 आज मनोरथ सवि फल्या, प्रगट्या पुण्य कल्लोल.
 पाप करम दूरे टल्यां, नाठां दुःख दंदोल. ६.
 पंचम काले पामवो, दुलहो प्रभु देदार.
 तो पण तेना नामनो, छे मोटो आधार. ७.
 प्रभु नामनी औषधि, खरा भावथी खाय.

B. Couplets to be uttered while viewing the lord

prabhu dariśana sukha sampadā, prabhu dariśana nava-nidha.
 prabhu dariśanathī pāmīe, sakala padāratha siddha. 1.
 bhāve jinavara pūjīe, bhāve dīje dāna.
 bhāve bhāvanā bhāvīe, bhāve kevala-jñāna. 2.
 jīvaḍā! jinavara pūjīe, pūjānā^o phala hoyā.
 rājā name prajā name, āṇa na lope koya. 3.
 phūlaḍā^o kerā bāgamā^o, beṭhā śrī jinarāya.
 jema tārāmā^o candramā, tema śobhe mahārāya. 4.
 tri-bhuvana nāyaka tu^o dhaṇī, mahī moṭo mahārāja.
 moṭe puṇye pāmīyo, tuma dariśana hu^o āja. 5.
 āja manoratha savi phalyā, pragaṭyā puṇya kallola.
 pāpa karama dūre ṭalyā^o, nāṭhā^o duḥkha dandola. 6.
 pañcama kāle pāmavo, dulaho prabhu dedāra.
 to paṇa tenā nāmano, che moṭo ādhāra. 7.
 prabhu nāmanī auṣadhi, kharā bhāvathī khāya.
 roga śoka āve nahi^o, savi saṅkāta miṭa jāya. 8.

स्तुति	
रोग शोक आवे नहीं, सवि संकट मिट जाय.	८.
पांच कोडीने फूलडे, पाम्या देश अढार.	
राजा कुमारपालनो, वर्त्यो जय-जय-कार.	९.
छे प्रतिमा मनोहारिणी, दुःखहरी श्री वीर जिणंदनी;	
भक्तोने छे सर्वदा सुखकरी, जाणे खीली चांदनी.	
आ प्रतिमाना गुण भाव धरीने, जे माणसो गाय छे;	
पामी सघलां सुख ते जगतनां, मुक्ति भणी जाय छे.	१०.
आव्यो शरणे तमारा जिनवर! करजो आशा पूरी अमारी;	
नाव्यो भवपार मारो तुम विण जगमां सार ले कोण मारी?.	
गायो जिनराज! आजे हरख अधिकथी परम आनंदकारी;	
पायो तुम दर्श नासे भव-भय-भ्रमणा नाथ! सर्वे अमारी.	११.
सरस-शांति-सुधारस-सागरं, शुचितरं गुण-रत्न-महागरम्.	
भविक-पंकज-बोध दिवाकरं,	
प्रति-दिनं प्रणमामि जिनेश्वरम्.	१२.
श्री आदीश्वर शांति नेमि जिनने, श्रीपार्श्व वीर प्रभु;	
ए पांचे जिनराज आज प्रणमुं, हेजे धरी ए विभु.	
कल्याणे कमला सदैव विमला, वृद्धि पमाडो अति;	
❖	❖
❖	❖

pāñca koḍine phūlađe, pāmyā deśa adhāra.
rājā kumārapālano, vartyo jaya-jaya-kāra. 9.
che pratimā manohāriṇī, duḥkhahari śrī vīra jīṇandani;
bhaktone che sarvadā sukhakari, jāne khili cāndani.
ā pratimānā guṇa bhāva dharine, je māṇaso gāya che;
pāmī saghalā^o sukha te jagatanā^o, mukti bhanī jāya che. 10.
āvyo śaraṇe tamārā jinavara! karajo āśa pūrī amārī;
nāvyo bhavapāra māro tuma viṇa jagamā^o sāra le konā mārī?.
gāyo jinarāja! āje harakha adhikathī parama ānandakārī;
pāyo tuma darśa nāse bhava-bhaya-bhramaṇā nātha! sarve amārī. 11.
sarasa-sānti-sudhārasa-sāgaram, śucitaram guṇa-ratna-mahāgaram.
bhavika-paṅkaja-bodha divākaram,
prati-dinam prañamāmi jineśvaram. 12.
śrī ādiśvara sānti nemi jinane, śrīpārśva vīra prabhu;
e pāñce jinarāja āja prañamu^o, heje dhari e vibhu.
kalyāṇe kamalā sadaiva vimalā, vṛddhi pamādo ati;
ehavā gautama svāmī labdhi bhariā, āpo sadā sanmati. 13.
❖ ❖

एहवा गौतम स्वामी लक्ष्मि भरीआ, आपो सदा सन्मति. १३.
जगदेव अनंत अभेद प्रभु, करुं सेव तजी अहमेव-पणुं;
प्रतिमा तव रूप ग्रही चित्तमां, समरुं निज हुं धरी भाव घणुं.
प्रतिमा तुज जन जे निंदशे, भमशे भव तेह अनंत सदा;
प्रतिमा तुज जन जे वंदशे, करशे निज श्रेय बधां. १४.
सुण्या हशे पूज्या हशे निरख्या हशे पण को क्षणे;
हे जगत-बंधु! चित्तमां धार्या नहि भक्तिपणे.
जन्म्यो प्रभु ते कारणे दुःखपात्र आ संसारमां;
हा! भक्ति ते फलती नथी जे भाव शून्याचारमां. १५.
जिनवर पद सेवा, सर्व-संपत्ति दाइ;
निशदिन सुखदाइ, कल्पवल्ली सहाइ.
नमि विनमि लही जे, सर्व-विद्या बडाइ;
ऋषभ जिनह सेवा, साधतां तेह पाइ. १६.
जे दृष्टि प्रभु दर्शन करे, ते दृष्टिने पण धन्य छे;
जे जीभ जिनवरने स्तवे, ते जीभने पण धन्य छे.
पीए मुदा वाणी सुधा, ते कर्ण-युगने धन्य छे;
तुज नाम मंत्र विशद धरे, ते हृदयने नित धन्य छे. १७.
अद्य मे कर्म-संघातं, विनष्टं चिर-संचितम्.

jagadeva ananta abheda prabhu, karu_० seva tajī ahameva-paṇu_०;
pratimā tava rūpa grahī cittamā_०, samarū_० nija hu_० dhari_० bhāva ghaṇu_०.
pratimā tuja jana je nindaśe, bhamaše bhava teha ananta sadā;
pratimā tuja jana je vandaśe, karaše nija śreya badhā_०. 14.
suṇyā haše pūjyā haše nirakhyā haše paṇa ko kṣaṇe;
he jagata-bandhu! cittamā_० dhāryā nahi bhaktipane.
janmyo prabhu te kāraṇe duḥkhapātra ā sansāramā_०;
hā! bhakti te phalati nathi je bhāva śūnyācāramā_०. 15.
jinavara pada sevā, sarva-sampatti dāi;
niśadina sukhadāi, kalpavallī sahāi.
nami vinami lahi je, sarva-vidyā baḍāi;
ṛṣabha jinaha sevā, sādhatā_० teha pāi. 16.
je dr̄ṣṭi prabhu darśana kare, te dr̄ṣṭine paṇa dhanya che;
je jībha jinavarane stave, te jībhane paṇa dhanya che.
piē mudā vāṇī sudhā, te karṇa-yugane dhanya che;
tuja nāma mantra viśada dhare, te hṛdayane nita dhanya che. 17.
adya me karma-saṅghātam, vinaṣṭam cira-sañcitam.
durgatyāpi nivṛttoham, jinendra! tava darśanāt. 18.

दुर्गत्यापि निवृत्तोहं, जिनेन्द्र! तव दर्शनात्१८.
दर्शनं देव-देवस्य, दर्शनं पाप-नाशनम्.	
दर्शनं स्वर्ग-सोपानं, दर्शनं मोक्ष-साधनम्.१९.
अन्यथा शरणं नास्ति, त्वमेव शरणं मम.	
तस्मात् कारुण्य-भावेन, रक्ष रक्ष जिनेश्वर!	.२०.
मंगलं भगवान् वीरो, मंगलं गौतमः प्रभुः;	
मंगलं स्थूलभद्राद्या, जैनो धर्मोस्तु मंगलम्.२१.
नमो दुर्वार-रागादि, वैरि-वार-निवारिणे;	
अर्हते योगि-नाथाय, महावीराय तायिने.२२.
पञ्चगे च सुरेन्द्रे च, कौशिके पाद-संस्पृशि;	
निर्विशेष-मनस्काय, श्रीवीर-स्वामिने नमः.२३.
पूर्णानन्द-मयं महोदय-मयं, कैवल्य-चिह्न-मयम्;	
रूपातीत-मयं स्वरूप-रमणं, स्वाभाविकी-श्रीमयम्.	
ज्ञानोद्घोत-मयं कृपा-रस-मयं, स्याद्वाद-विद्यालयम्;	
श्री सिद्धाचल-तीर्थराज-मनिशं, वन्देह-मादीश्वरम्.२४.
नेत्रानन्द-करी भवोदधि-तरी, श्रेयस्तरोर्मजरी;	
श्रीमद्भर्म-महा-नरेन्द्र-नगरी, व्यापल्लता-धूमरी.	
हर्षोत्कर्ष-शुभ-प्रभाव-लहरी, राग-द्विषां जित्वरी;	

darśanam deva-devasya, darśanam pāpa-nāśanam.
 darśanam svarga-sopānam, darśanam mokṣa-sādhanam. 19.
 anyathā śaraṇam nāsti, tvameva śaraṇam mama.
 tasmāt kāruṇya-bhāvena, rakṣa rakṣa jineśvara!. 20.
 maṅgalam bhagavān vīro, maṅgalam gautamah prabhuḥ;
 maṅgalam sthūlabhadrādyā, jaino dharmostu maṅgalam. 21.
 namo durvāra-rāgādi, vairi-vāra-nivāriṇe;
 arhate yogi-nāthāya, mahāvīrāya tāyine. 22.
 pannage ca surendre ca, kauśike pāda-saṃspr̄si;
 nirviśeṣa-manaskāya, śrīvīra-svāmine namah. 23.
 pūrṇānanda-mayam mahodaya-mayam, kaivalya-ciddr̄īmayam;
 rūpātīta-mayam svarūpa-ramanam, svābhāvīkī-śrīmayam.
 jñānoddhyota-mayam kṛpā-rasa-mayam, syādvāda-vidyālayam;
 śrī siddhācala-tīrtharāja-manisam, vandeha-mādīśvaram. 24.
 netrānanda-kari bhavodadhi-tari, śreyastaror-mañjari;
 śrīmad-dharma-mahā-narendra-nagarī, vyāpallatā-dhūmari.
 harṣotkarsa-śubha-prabhāva-lahari, rāga-dviṣām jitvari;
 mūrtih śrijina-puṇḍgavasya bhavatu, śreyaskari dehinām. 25.

मूर्तिः श्रीजिन-पुंगवरस्य भवतु, श्रेयस्करी देहिनाम्.२५.	adyā-bhavat saphalatā nayana-dvayasya; deva! tvadiya-caraṇāmbuja-vīksaṇena.
अद्या-भवत् सफलता नयन-द्वयस्य; देव! त्वदीय-चरणांबुज-वीक्षणेन.	adya triloka-tilaka! prati-bhāsate me; sansāra-vāridhi-rayam culuka-pramāṇah.26.
अद्य त्रिलोक-तिलक! प्रति-भासते मे; संसार-वारिधि-रयं चुलुक-प्रमाणः.२६.	tubhyam namastri-bhuvanārti-harāya nātha; tubhyam namah kṣititalā-mala-bhūṣaṇāya.
तुभ्यं नमस्त्रि-भुवनार्ति-हराय नाथ; तुभ्यं नमः क्षितितला-मल-भूषणाय.	tubhyam namastri-jagataḥ parameśvarāya, tubhyam namo jina! bhavodadhi-śoṣaṇāya.27.
तुभ्यं नमस्त्रि-जगतः परमेश्वराय, तुभ्यं नमो जिन! भवोदधि-शोषणाय.२७.	praśama-rasa-nimagnam, dr̥ṣti-yugmam prasannam; vadana-kamala-maṇkah, kāminī-saṅga-sūnya:.
प्रशम-रस-निमग्नं, दृष्टि-युग्मं प्रसन्नम्;	kara-yugamapi yatte, śastra-sambandha-vandhyam;
वदन-कमल-मंकः, कामिनी-संग-शून्यः.	tadasi jagati devo, vitarāga-stvameva.28.
कर-युगमपि यत्ते, शस्त्र-संबंध-वंध्यम्;	adya me saphalam janma, adya me saphalā kriyā;
तदसि जगति देवो, वीतराग-स्त्वमेव.२८.	adya me saphalam gātram, jinendra! tava darśanāt.29.
अद्य मे सफलं जन्म, अद्य मे सफला क्रिया;	kalyāṇa-pāda-pārāmam, śruta-gaṅgā-himācalam;
अद्य मे सफलं गात्रं, जिनेंद्र! तव दर्शनात्.२९.	viśvāmbhoja-ravim devam, vande śrī-jñāta-nandanam.30.
कल्याण-पाद-पारामं, श्रुत-गंगा-हिमाचलम्;	darśanād durita-dhvansi, vandanād vāñchita-pradah;
विश्वांभोज-रवि देवं, वंदे श्री-ज्ञात-नन्दनम्.३०.	pūjanāt pūrakah śrīṇām, jinah sākṣat suradrumah.31.
दर्शनाद् दुरित-ध्वंसी, वंदनाद् वांछित-प्रदः;	

पूजनात् पूरकः श्रीणां, जिनः साक्षात् सुरद्वमः ३१.

इ. अष्ट प्रकारी पूजा के दोहे

१. जल पूजा के दोहे

झट

ज्ञान कलश भरी आतमा, समता रस भरपूर.

श्री जिनने नवरावतां, कर्म होये चकचूर. १.

झाट

जल पूजा जुगते करो, मेल अनादि विनाश.

जल पूजा फल मुज होजो, मागो एम प्रभु पास. १.

झट

मेरु शिखर नवरावे हो सुरपति, मेरु शिखर नवरावे;

जन्म काल जिनवरजी को जाणी, पंच-रूप करी आवे. हो.१.

रत्न प्रमुख अड जातिना कलशा, औषधि चूरण मिलावे;

खीर समुद्र तीर्थोदक आणी, स्नात्र करी गुण गावे. हो.२.

C. Couplets of eight types of worship

1. Couplets of worship with water

[a]

jñāna kalaśa bhari ātamā, samatā rasa bharapūra.
śrī jinane navarāvatā_o, karma hoye cakacūra. 1.

[ā]

jala pūjā jugate karo, mela anādi vināśa.
jala pūjā phala muja hojo, māgo ema prabhu pāsa. 1.

[i]

meru śikhara navarāve ho surapati, meru śikhara navarāve;
janma kāla jinavarajī ko jāṇī, pañca-rūpa kari āve. ho.1.
ratna pramukha ada jātinā kalasā, ausadhi cūraṇa milāve;
khīra samudra tīrthodaka āṇī, snātra kari guṇa gāve. ho.2.
enī pere jina-pratimā ko nhavaṇa kari, bodhi-bija mānu_o vāve;
anukrame guṇa ratnākara pharasi, jina uttama pada pāve. ho.3.

एणी पेरे जिन-प्रतिमा को न्हवण करी, बोधि-बीज मानुं वावे; अनुक्रमे गुण रत्नाकर फरसी, जिन उत्तम पद पावे. हो.३.	
	२.क . चंदन पूजा का दोहा
शीतल गुण जेहमां रह्यो, शीतल प्रभु मुख रंग. आत्म शीतल करवा भणी, पूजो अरिहा अंग. १.	
	२.ख . नवांग पूजा के दोहे
जल भरी संपुट पत्रमां, युगलिक नर पूजांत. ऋषभ चरण अंगूठडे, दायक भव-जल अंत. १.	
जानु-बले काउस्सग्ग रह्या, विचर्या देश-विदेश. खडां खडां केवल लह्युं, पूजो जानु नरेश. २.	
लोकांतिक वचने करी, वरस्या वरसी-दान. कर कांडे प्रभु-पूजना, पूजो भवि बहु-मान. ३.	

2.A. Couplets of worship with sandal

śītala guṇa jehamāऽ rahyo, śītala prabhu mukha raṅga.
ātma śītala karavā bhañi, pūjo arihā aṅga. 1.

2.B. Couplets of worship of navāṅga [nine organs]

jala bhari sampuṭa patramāऽ, yugalika nara pūjanta.
ṛṣabha caraṇa aṅgūṭhade, dāyaka bhava-jala anta. 1.
jānu-bale kāussagga rāhyā, vicaryā desa-videśa.
khaḍāऽ khaḍāऽ kevala lahyuऽ, pūjo jānu nareśa. 2.
lokāntika vacane kari, varasyā varasi-dāna.
kara kāङde prabhu-pūjanā, pūjo bhavi bahu-māna. 3.
māna gayuऽ doya ansathī, dekhī vīrya ananta.
bhujā-bale bhava-jala taryā, pūjo khandha mahanta. 4.
siddha-silā guṇa ūjali, lokānte bhagavanta.

मान गयुं दोय अंसथी, देखी वीर्य अनन्त. भुजा-बले भव-जल तर्या, पूजो खंध महंत. ४.	vasiyā tiṇe kāraṇa bhavi, śira-sikhā pūjanta..... 5. tīrthaṅkara pada puṇyathī, tihuaṇa jana sevana.
सिद्ध-शिला गुण ऊजली, लोकांते भगवंत. वसिया तिणे कारण भवि, शिर-शिखा पूजंत. ५.	tribhuvana-tilaka samā prabhu, bhāla tilaka jayavanta..... 6. sola pahora prabhu deśanā, kanṭhe vivara vartula.
तीर्थकर पद पुण्यथी, तिहुअण जन सेवंत. त्रिभुवन-तिलक समा प्रभु, भाल तिलक जयवंत. ६.	madhura dhvani sura nara sunē, tiṇe gale tilaka amūla..... 7. hṛdaya kamala upaśama bale, bālyāः rāga ne roṣa.
सोल पहोर प्रभु देशना, कंठे विवर वर्तुल. मधुर ध्वनि सुर नर सुणे, तिणे गाले तिलक अमूल. ७.	hima dahe vana-khaṇḍane, hṛdaya tilaka santosa..... 8. ratna-trayī guṇa ījali, sakala suguṇa visarāma.
हृदय कमल उपशम बले, बाल्यां राग ने रोष. हिम दहे वन-खंडने, हृदय तिलक संतोष. ८.	nābhi-kamalani pūjanā, karatāः avicala dhāma..... 9. upadeśaka nava tattvanā, tiṇe nava aṅga jiṇanda.
रत्न-त्रयी गुण ऊजली, सकल सुगुण विसराम. नाभि-कमलनी पूजना, करतां अविचल धाम. ९.	pūjo bahuvidha rāgathī, kahe śubha-vīra muṇinda..... 10.
उपदेशक नव तत्त्वना, तिणे नव अंग जिणंद. पूजो बहुविध रागथी, कहे शुभ-वीर मुणिंद. १०.	3. Couplets of worship with flowers surabhi akhaṇḍa kusuma grahi, pūjo gata santāpa. sumajantu bhavya ja pare, kariye sampakita chāpa. ♦..... 1.

<p>३. पुष्टि पूजा का दोहा</p> <p>सुरभि अखंड कुसुम ग्रही, पूजो गत संताप. सुमजंतु भव्य ज परे, करीये समकित छाप. १.</p> <p>४. धूप पूजा का दोहा</p> <p>झअट ध्यान घटा प्रगटावीये, वाम नयन जिन धूप. मिच्छत दुर्गन्धि दूर टले, प्रगटे आत्म स्वरूप. १.</p> <p>झआट अमे धूपनी पूजा करीए रे, ओ मन-मान्या मोहनजी; अमे धूप-घटा अनुसरीए रे, ओ मन... नहीं कोइ तमारी तोले रे, ओ मन... प्रभु अंते छे शरण तमारुं रे, ओ मन.... १.</p>	<p>4. Couplets of worship with incense</p> <p>[a] dhyāna ghaṭā pragaṭāviye, vāma nayana jina dhūpa. micchata durgandha dūra ṭale, pragaṭe ātma svarūpa. 1.</p> <p>[ā] ame dhūpanī pūjā karī re, o mana-mānyā mohanajī; ame dhūpa-ghaṭā anusarī re, o mana... nahīं koi tamārī tole re, o mana... prabhu ante che śaraṇa tamāru_ re, o mana... 1.</p> <p>5.A. Couplets of worship with lamp</p> <p>dravya dīpa su-vivekathī, karatā_ duḥkha hoyā phoka. bhāva pradīpa pragaṭa hue, bhāsita lokā-loka. 1.</p>
---	--

<p>५.क. दीपक पूजा का दोहा</p> <p>द्रव्य दीप सु-विवेकथी, करतां दुःख होय फोक. भाव प्रदीप प्रगट हुए, भासित लोका-लोक. १.</p> <p>५.ख. चामर वींजने का दोहा</p> <p>बे बाजु चामर ढाले, एक आगल वज्र उलाले; जइ मेरु धरी उत्संगे, इंद्र चोसठ मलीआ रंगे. प्रभुजीनुं मुखखुं जोवा, भवो भवनां पातिक खोवा. १.</p> <p>५.ग. दर्पण पूजा का दोहा</p> <p>प्रभु दर्शन करवा भणी, दर्पण पूजा विशाल. आत्म दर्पणथी जुए, दर्शन होय ततकाल. १.</p>	<p>5.B. Couplets of swinging cāmara</p> <p>be bāju cāmara ḍhāle, eka āgala vajra ulāle; jai meru dhari utsaṅge, īndra cosaṭha maliā raṅge. prabhujīnuऽ mukhaḍuऽ jovā, bhavo bhavanāऽ pātika khovā. 1.</p> <p>5.C. Couplet of worship with mirror</p> <p>prabhu darśana karavā bhaṇī, darpaṇa pūjā viśāla. ātma darpaṇathī jue, darśana hoyata tatakāla. 1.</p> <p>6.A. Couplets of worship with akṣata [whole rice grain]</p> <p>suddha akhaṇḍa akṣata grahī, nandāvarta viśāla. pūrī prabhu sanmukha raho, tālī sakala jañjāla. 1.</p>
---	---

६.क. अक्षत पूजा का दोहा

शुद्ध अखंड अक्षत ग्रही, नन्दावर्त विशाल.
पूरी प्रभु सन्मुख रहो, टाली सकल जंजाल. १.

६.ख. र्खस्तिक इत्पाथियेट के दोहे

दर्शन ज्ञान चारित्रना, आराधनथी सार.
सिद्धशिलानी उपरे, हो मुज वास श्री कार. १.
अक्षत पूजा करतां थकां, सफल करुं अवतार.
फल मांगु प्रभु आगले, तार तार मुज तार. २.
सांसारिक फल मागीने, रडवड्यो वहु संसार.
अष्ट कर्म निवारवा, मागुं मोक्ष फल सार. ३.
चिहुं गति भ्रमण संसारमां, जन्म मरण जंजाल.
पंचम-गति विण जीव ने, सुख नहीं त्रिहुं काल. ४.



6.B. Couplets of swastik

darśana jñāna cāritranā, ārādhanathī sāra.
siddhaśilānī upare, ho muja vāsa śrī kāra. 1.
akṣata pūjā karatā_o thakā_o, saphala karū_o avatāra.
phala mā_ogu prabhu āgale, tāra tāra muja tāra. 2.
sānsārika phala māgīne, rādavādyo bahu sansāra.
aṣṭa karma nivāravā, māgu_o mokṣa phala sāra. 3.
cihu_o gati bhramaṇa sansāramā_o, janma maraṇa jañjāla.
pañcama-gati viṇa jīva ne, sukha nahi_o trihu_o kāla. 4.

7. Couplets of worship with naivedya

aṇāhārī pada me_o karyā_o, viggaha gaiya ananta.
dūra kari te dījiye, aṇāhārī śiva santa. 1.



<p>७. नैवेद्य पूजा का दोहा</p> <p>अणाहारी पद में कर्या, विग्रह गङ्गय अनन्त. दूर करी ते दीजिये, अणाहारी शिव सन्त. १.</p> <p>८. फल पूजा का दोहा</p> <p>इन्द्रादिक पूजा भणी, फल लावे धरी राग. पुरुषोत्तम पूजी करी, मागे शिव-फल त्याग. १.</p> <p>चैत्यवन्दनादि का संग्रह</p> <p>सकल-कुशल-वल्ली</p> <p>सकल-कुशल-वल्ली-पुष्करावर्त्त-मेघो, दुरित-तिमिर-भानुः कल्प-वृक्षोपमानः. भव-जल-निधि-पोतः सर्व संपत्ति-हेतुः, स भवतु सततं वः श्रेयसे शान्तिनाथः. १.</p>	<p>8. Couplets of worship with fruits</p> <p>indrādika pūjā bhaṇī, phala lāve dhari rāga. puruṣottama pūjī kari, māge śiva-phala tyāga. 1.</p> <p>Collection of <u>caityavandana</u> etc.</p> <p>sakala-kuśala-vallī</p> <p>sakala-kuśala-vallī-puṣkarāvartta-megho, durita-timira-bhānuḥ kalpa-vṛkṣopamānah. bhava-jala-nidhi-potaḥ sarva sampatti-hetuḥ, sa bhavatu satatam vah śreyase śāntināthaḥ. 1.</p> <p>paramātmā <u>caityavandana</u></p> <p>paramesara! paramātmā!, pāvana! paramittha! jaya jaga guru! devādhi-deva!, nayaṇe me^o diṭṭha!. 1.</p> <p>acala-akala avikāra sāra, karuṇā-rasa-sīndhu.</p>
---	--

<p>परमात्मा का चैत्यवंदन</p> <p>परमेसर! परमात्मा!, पावन! परमिट्‌ठ! जय जग गुरु! देवाधि-देव!, नयणे में दिट्‌ठ!. १. अचल-अकल अविकार सार, करुणा-रस-सिंधु. जगती जन आधार एक, निष्कारण बंधु. २. गुण अनंत प्रभु ताहरा, किमहि कह्या न जाय. राम प्रभु जिन-ध्यानथी, चिदानंद सुख थाय. ३.</p> <p>चैत्यवन्दनादि का संग्रह</p> <p>सकल-कुशल-वल्ली</p> <p>सकल-कुशल-वल्ली-पुष्करावर्त-मेघो, दुरित-तिमिर-भानुः कल्प-वृक्षोपमानः.</p>	<p>jagatī jana ādhāra eka, niṣkāraṇa <u>bandhu</u>. 2. guṇa ananta prabhu tāharā, kimahi kahyā na jāya. rāma prabhu jina-dhyānathī, cidānanda sukha thāya. 3.</p> <p>Collection of <u>caityavandana</u> etc.</p> <p>sakala-kuśala-vallī</p> <p>sakala-kuśala-vallī-puṣkarāvartta-megho, durita-timira-bhānuḥ kalpa-vṛksopamānah. bhava-jala-nidhi-potah sarva sampatti-hetuḥ, sa bhavatu satataṁ vah śreyase sāntināthaḥ. 1.</p>
--	---

भव-जल-निधि-पोतः सर्व संपत्ति-हेतुः,
स भवतु सततं वः श्रेयसे शान्तिनाथः. १.

सामान्य जिन चैत्यवंदन

तुज मूरति ने निरखवा, मुज नयणां तलसे;
तुज गुण गणने बोलवा, रसना मुज हरखे. १.
काया अति आनंद मुज, तुम युग पद फरसे;
तो सेवक तार्या विना, कहो केम हवे सरशे?.... २.
एम जाणी ने साहिबा ए, नेक नजर मोहे जोय;
ज्ञान विमल प्रभु नजरथी, तेह शुं जे नवि होय. ३.

चौबीस जिन वर्ण चैत्यवंदन

पद्मप्रभु ने वासुपूज्य, दोय राता कहीए.
चन्द्रप्रभु ने सुविधिनाथ, दोय उज्ज्वल लहीए. १.
मल्लिनाथ ने पार्श्वनाथ, दो नीला निरख्या.

sāmānya jina caityavandana

tuja mūrati ne nirakhavā, muja nayaṇā^o talase;
tuja guṇa gaṇane bolavā, rasanā muja harakhe. 1.
kāyā ati ānanda muja, tuma yuga pada pharase;
to sevaka tāryā vinā, kaho kema have saraśe?.... 2.
ema jāṇī ne sāhibā e, neka najara mohe joya;
jñāna vimala prabhu najarathī, teha śuo je navi hoyā. 3.

cauviṣa jina varṇa caityavandana

padmaprabhu ne vāsupūjya, doya rātā kahīe.
candraprabhu ne suvidhinātha, doya ujjvala lahīe. 1.
mallinātha ne pārśvanātha, do nīlā nirakhyā.
munisuvrata ne nemanātha, do añjana sarikhā. 2.
sole jina kañcana samā e, ehavā jina coviśa.
dhīra vimala pañdita taño, jñāna vimala kahe sīsyā. 3.

मुनिसुब्रत ने नेमनाथ, दो अंजन सरिखा.	२.
सोले जिन कंचन समा ए, एहवा जिन चोवीश.	
धीर विमल पण्डित तणो, ज्ञान विमल कहे शिष्य.	३.
सीमंधर जिन दोहे	
अनंत चोवीशी जिन नमु, सिद्ध अनंती कोड.	
केवल-धर मुगते गया, वंदुं बे कर जोड.	१.
जे चारित्रे निर्मला, जे पंचानन सिंह.	
विषय कषायने गंजिआ, ते प्रणमुं निश दिन.	२.
बे कोडी केवल-धरा, विहरमान जिन वीश.	
सहस कोडी युगल नमु, साधु नमुं निश दिश.	३.
रंक तणी परे रडवड्यो, नधणियो निरधार;	
श्री सीमंधर साहिबा, तुम विण इणे संसार.	४.
वृषभ लंछन चरणमां, कंचन वरणी काय.	
चोत्रीश अतिशय शोभता, वंदुं सदा तुम पाय.	५.
महाविदेहमां श्री सीमंधर स्वामी, नित्य वंदु प्रभात;	

Couplets of sīmāndhara jina

ananta covisi jina namuo, siddha ananti kođa.
 kevala-dhara mugate gayā, vanduo be kara joda. 1.
 je cāritre nirmalā, je pañcānana siha.
 viṣaya kaṣayane gañjīā, te pranamuo niśa dina. 2.
 be kođi kevala-dharā, viharamāna jina viśa.
 sahasa kođi Yugala namuo, sādhu namuo niśa diśa. 3.
 rañka tañi pare rādavadyo, nadhaṇiyo niradhāra;
 śrī sīmāndhara sāhibā, tuma viṇa ihe sansāra. 4.
 vṛśabha lañchana caranamāo, kañcana varañi kāya.
 cotriśa atiśaya śobhatā, vanduo sadā tuma pāya. 5.
 mahāvidehamāo śrī sīmāndhara svāmī, nitya vandu prabhāta;
 trikarana valī triyogathi, japo aharniśa jāpa. 6.
 bharata kṣetramāo hu rahuo, āpa raho cho vimukha;
 dhyāna loha cumbaka pare, kari dr̄sti sanmukha. 7.

त्रिकरण वली त्रियोगथी, जपुं अहर्निश जाप.६.
भरत क्षेत्रमां हुं रहुं, आप रहो छो विमुख;
ध्यान लोह चुंबक परे, करी दृष्टि सन्मुख.७.

सीमंधर जिन चैत्यवंदन

श्री सीमन्धर वीतराग!, त्रिभुवन तुमे उपकारी;
श्री श्रेयांस पिता कुले, बहु शोभा तुमारी.१.
धन्य धन्य माता सत्यकी, जेणे जायो जयकारी;
वृषभ लंछने विराजमान, वंदे नर नारी.२.
धनुष पांचसे देहडी ए, सोहीए सोवन वान;
कीर्ति विजय उवज्ज्ञायनो, विनय धरे तुम ध्यान.३.

सीमंधर जिन चैत्यवंदन

जयतु जिन जगदेक-भानु, काम कश्मल-तम-हरं;
दुरित-ओङ्कर विभाव-वर्जितं, नौमि श्रीजिन-मंधरं.१.♦

sīmāndhara jina caityavandana

śrī sīmāndhara vītarāga!, tribhuvana tume upakārī;
śrī śreyānsa pitā kule, bahu śobhā tumārī.1.
dhanya dhanya mātā satyakī, jene jāyo jayakārī;
vṛṣabha lañchane virājamāna, vande nara nārī.2.
dhanuṣa pāñcaseऽ dehadī e, sohie sovana vāna;
kīrti vijaya uvajjhāyano, vinaya dhare tuma dhyāna.3.

sīmāndhara jina caityavandana

jayatu jina jagadeka-bhānu, kāma kaśmala-tama-haram;
durita-ogha vibhāva-varjitam, naumi śrī jina-māndharam.1.
prabhu-pāda padme citta-layane, viṣaya-dolita nirbharam;
sansāra-rāga asāra-ghātikam, naumi....2.
ati-roṣa-vahni-māna mahīdhara, ṛṣṇā-jaladhi-hitakaram;
vacano citta-jantu-bodhakam, naumi....3.♦

स्तुति	काव्य विभाग	३९	kāvya part	śreyah śriyāṁ maṅgala pādapurti pārśva jina stuti
प्रभु-पाद पदमे चित्त-लयने, विषय-दोलित निर्भरं; संसार-राग असार-धातिकं, नौमि २.			ajñāna-tarjita-rahita-caraṇam, para-guno me matsaram; arati-ardita-caraṇa-śaraṇam, naumi... 4.	
अति-रोष-वह्नि-मान महीधर, तृष्णा-जलधि-हितकरं; वचनोर्जित-जंतु-बोधकं, नौमि ३.			gambhīra-vadanam bhavatu dina dina, dehi me prabhu-darśanam;	
अङ्गान-तर्जित-रहित-चरणं, परगुणो मे मत्सरं; अरति-अर्दित-चरण-शरणं, नौमि ४.			bhāva-vijaya śrī dadatu maṅgalam, naumi... 5.	
गंभीर-वदनं भवतु दिन दिन, देहि मे प्रभु-दर्शनं; भावविजय श्री ददतु मंगलं, नौमि ५.				
सीमंधर जिन स्तवन				
पुक्खलवई विजये जयो रे, नयरी पुंडरीगिणी सार; श्री सीमन्धर साहिबा रे, राय श्रेयांस कुमार; जिणंद राय! धरजो धर्म सनेह. ९.			pukkhalavaī vijaye jayo re, nayari puṇḍarīgiṇī sāra; śrī sīmandhara sāhibā re, rāya śreyānsa kumāra;	
मोटा नाना आंतरो रे, गिरुआ नवि दाखंत; शशि दरिसण सायर वधे रे, कैरव वन विकसंत. जिणंद.२.			jinanda rāya! dharajo dharma saneha. 1. moṭā nānā āntaro re, giruā navi dākhanta;	
ठाम कुठाम न लेखवे रे, जग वरसंत जलधार;			śāsi darisaṇa sāyara vadhe re, kairava vana vikasanta. jiṇanda.2. ṭhāma kūṭhāma na lekhave re, jaga varasanta jaladhāra;	
			kara doya kusume vāsie re, chāyā savi ādhāra. jiṇanda.3. rāya ne raṅka sarikhā gaṇe re, udyote śāsi sūra;	
			gaṅgājala te bihuṭaṇā re, tāpa kare savi dūra. jiṇanda.4. sarikhā sahune tāravā re, tima tume cho mahārāja;	

कर दोय कुसुमे वासीए रे, छाया सवि आधार जिणंद.३.
राय ने रंक सरिखा गणे रे, उद्योते शशि सूर;
गंगाजल ते बिहुंतणा रे, ताप करे सवि दूर. जिणंद.४.
सरिखा सहुने तारवा रे, तिम तुमे छो महाराज;
मुजशुं अंतर किम करो रे?, बांह्य ग्रह्यानी लाज. जिणंद.५.
मुख देखी टीलुं करे रे, ते नवि होय प्रमाण;
मुजरो माने सवि तणो रे, साहिब तेह सुजाण. जिणंद.६.
वृषभ लंछन माता सत्यकी रे, नंदन रुक्मिणी कंत;
वाचक जस इम विनवे रे, भय भंजन भगवंत. जिणंद.७.

सीमंधर जिन स्तवन

विनति माहरी रे सुणजो साहिबा, सीमंधर जिनराज;
त्रिभुवन तारक अरज उरे धरो, देजो दरिशन आज. विनति.१.
आप वस्या जइ क्षेत्र विदेहमां, हुं रहुं भरत मोङ्गार;
ए मेलो केम होये जगधणी, ए मुज सबल विचार. विनति.२.
वचमां वन द्रव्य पर्वत अति घणा, वली नदी कारमा रे घाट;

mujaśu_० antara kima karo re?, bā_०hya grahyānī lāja. jinanda.5.
mukha dekhī tīlu_० kare re, te navi hoy a pramāṇa;
mujaro māne savi taṇo re, sāhiba teha sujāṇa. jinanda.6.
vṛṣabha lañchana mātā satyakī re, nandana rukmiṇī kanta;
vācaka jasa ima vinave re, bhaya bhañjana bhagavanta. jinanda.7.

sīmandhara jina stavana

vinati māhari re suṇajo sāhibā, sīmandhara jinarāja;
tribhuvana tāraka araja ure dharo, dejo dariśana āja. vinati.1.
āpa vasyā jai kṣetra videhamā_०, hu_० rahu_० bharata mojhāra;
e melo kema hoye jagadhaṇī, e muja sabala vicāra. vinati.2.
vacamā_० vana draha parvata ati ghaṇā, valī nadī kāramā re ghāṭa;
kiṇa vidha bhetu_० re āvī tuma kane, ati vasamī re vāṭa. vinati.3.
kihā_० muja dāhiṇa bharata kṣetra rahyu_०, kihā_० pukkhalavai rāja;
manamā_० alajo re malavāno ati ghaṇo,

किण विधि भेटुं रे आवी तुम कने, अति वसमी रे वाट. ... विनति.३.
 किहां मुज दाहिण भरत क्षेत्र रह्युं, किहां पुक्खलवइ राज;
 मनमां अलजो रे मलवानो अति घणो,
 भव जल तरण जहाज... विनति.४.
 निशदिन आलंबन मुज ताहरो, तुं मुझ हृदय मोझार;
 भव दुःख भंजन तुंहि निरंजनो, करुणा रस भंडार. विनति.५.
 मन-वांछित सुख संपद पूरजो, चूरजो कर्मनी रास;
 नित्य नित्य वंदन हुं भावे करुं, एहीज छे अरदास. विनति.६.
 तात श्रेयांस नरेसर जगतीलो, सत्यकी राणीनो जात;
 सीमंधर जिन विचरे महीतले, त्रण भुवनमां विख्यात. विनति.७.
 भवो-भव सेवा रे तुम पद कमलनी, देजो दीन दयाल;
 बे कर जोडी उदय रतन वदे, नेक नजरथी निहाल. विनति.८.

सीमंधर जिन रस्तुति

महाविदेह क्षेत्रमां सीमंधर स्वामी, सोनानुं सिंहासन जी;

bhava jala taraṇa jahāja.
 vinati.4.
 niśadina ālambana muja tāharo, tuः mujha hṛdaya mojhāra;
 bhava duḥkha bhañjana tuःhi nirañjano, karuṇā rasa bhañdāra. vinati.5.
 mana-vāñchita sukha sampada pūrajo, cūrajo karmani rāsa;
 nitya nitya vandana huः bhāve karūः, ehīja che aradāsa. vinati.6.
 tāta śreyānsa naresara jagatilo, satyakī rāṇīno jāta;
 sīmandhara jina vicare mahītale, traṇa bhuvanamāः vikhyāta. vinati.7.
 bhavo-bhava sevā re tuma pada kamalani, dejo dīna dayāla;
 be kara jodī udaya ratana vade, neka najarathī nihāla. vinati.8.

sīmandhara jina stuti

mahāvideha kṣetramāः sīmandhara svāmī, sonānuः siṁhāsana jī;
 rūpānuः tyāः chatra virāje, ratna maṇinā dīvā dīpe jī.
 kumakuma varāṇī tyāः gahuःli virāje, motinā akṣata sāra jī;

रुपानुं त्यां छत्र विराजे, रत्न मणिना दीवा दीपे जी.
 कुमकुम वरणी त्यां गहुंली विराजे, मोतीना अक्षत सार जी;
 त्यां बेठा सीमंधर स्वामी, बोले मधुरी वाणी जी.
 केसर चन्दन भर्या कचोलां, कस्तूरी बरासो जी;
 पहेली पूजा अमारी होजो, ऊगमते प्रभाते जी १.

सीमंधर जिन स्तुति

श्री सीमंधर मुजने व्हाला, आज सफल सुविहाणुं जी;
 त्रिगडे तेजे तपता जिनवर, मुज त्रुद्या हुं जाणुं जी.
 केवल-कमला केलि करंता, कुल-मंडण कुल-दीवो जी;
 लाख चोराशी पूरव आयु, रुक्मिणी-वर घणुं जीवो जी. १.

tyā_o bēṭhā sīmaṇdhara svāmī, bole madhuri vāṇī jī.
 kesara candana bharyā kacolā_o, kastūrī barāso jī;
 pahelī pūjā amārī hojo, īgamate prabhāte jī. 1.

sīmaṇdhara jina stuti

śrī sīmaṇdhara mujane vhālā, āja saphala suvihāṇu_o jī;
 trigade teje tapatā jinavara, muja trūthyā hum_ jāṇu_o jī.
 kevala-kamalā keli kara_otā, kula-maṇḍaṇa kula-dīvo jī;
 lākha corāsī pūrava āyu, rukmiṇī-vara ghaṇu_o jīvo jī. 1.

Couplets of siddhācala tīrtha

siddhācala samaru_o sadā, sorāṭha deśa mojhāra.
 manusya janma pāmī kari, vandu_o vāra hajāra. 1.

सिद्धाचल तीर्थ के दोहे	
सिद्धाचल समरुं सदा, सोरठ देश मोझार.	jagamā_ tīratha doya vaḍā, śatruñjaya giranāra.
मनुष्य जन्म पामी करी, वंदुं वार हजार. १.	eka gadha ṛśabha samosaryā, eka gadha nema-kumāra. 2.
जगमां तीरथ दोय वडा, शत्रुंजय गिरनार.	śatruñjaya samo tīratha nahi᳚, ṛśabha samo nahi᳚ deva.
एक गढ ऋषभ समोसर्या, एक गढ नेम-कुमार. २.	gautama sarakhā guru nahi᳚, valī valī vandu᳚ teha. 3.
शत्रुंजय समो तीरथ नहीं, ऋषभ समो नहीं देव.	ekeku᳚ dagalu᳚ bhare, śatruñjaya sāmu᳚ jeha.
गौतम सरखा गुरु नहीं, वली वली वंदुं तेह. ३.	ṛśabha kahe bhava kodanā᳚, karma khapāve teha. 4.
एकेकुं डगलुं भरे, शत्रुंजय सामुं जेह.	śatruñjī nadie nāhīne, mukha bāndhī mukha-kośa.
ऋषभ कहे भव कोडनां, कर्म खपावे तेह. ४.	deva Yugādi pūjye, āṇī mana santoṣa. 5.
शत्रुंजी नदीए नाहीने, मुख बांधी मुख-कोश.	soratha deśamā᳚ sañcaryo, na caḍhyo gadha giranāra.
देव युगादि पूजिए, आणी मन संतोष. ५.	śatruñjī nadī nāhyo nahi᳚, teno ele gayo avatāra. 6.
सोरठ देशमां संचर्यो, न चढ्यो गढ गिरनार.	siddhācalā siddhi varyā, grahī muni-liṅga ananta.
शत्रुंजी नदी नाहयो नहीं, तेनो एले गयो अवतार. ६.	āge anantā siddhaśe, pūjo bhavi bhagavanta. 7.
सिद्धाचल सिद्धि वर्या, ग्रही मुनि-लिंग अनंत.	śatruñjaya giri maṇḍano, marudevīno nanda;
आगे अनंता सिद्धि शे, पूजो भवि भगवंत. ७.	yugalā dharma nivārako, namo Yugādi jīṇanda. 8.
❖	❖
❖	❖

शत्रुंजय गिरि मंडणो, मरुदेवीनो नंद;
युगला धर्म निवारको, नमो युगादि जिणंद ८.
नेम विना त्रेवीश प्रभु, आव्या विमल गिरींद;
भावि चोवीशी आवशे, पद्म-नाभादि जिणंद ९.
प्राये ए गिरि शाश्वतो, महिमानो नहि पार;
ऋषभ जिणंद समोसर्या, पूर्व नवाणु वार १०.
दुंगर चढवा दोह्यला, ऊतरतां नहि वार;
श्री आदीश्वर पूजतां, हङडे हरख न माय ११.

पुंडरीक स्वामि चैत्यवंदन

आदीश्वर जिन रायनो, गणधर गुणवंत;
प्रगट नाम पुंडरीक जास, मही मांहे महंत १.
पंच कोडी मुनिराज साथे, अणसण तिहां कीधुं;
शुक्ल-ध्यान ध्यातां अमूल, केवल वर लीधुं २.
चैत्री पूनमने दिने ए, पास्या पद महानंद;

prāye e giri sāsvato, mahimāno nahi pāra;
ṛṣabha jiṇanda samosaryā, pūrva navāṇuऽ vāra. 10.
duṅgara caḍhavā dohyalā, ītaratāऽ nahi vāra;
śrī ādiśvara pūjatāऽ, haide harakha na māya. 11.

puṇḍarīka svāmi caityavandana

ādiśvara jina rāyano, gaṇadhara guṇavanta;
pragaṭa nāma puṇḍarīka jāsa, mahī māऽhe mahanta. 1.
pañca koḍi munirāja sāthe, aṇasaṇa tihāऽ kīdhug;
śukla-dhyāna dhyātāऽ amūla, kevala vara līdhug. 2.
caitri pūnamane dine e, pāmyā pada mahānanda;
te dinathī puṇḍarīka-giri, nāma dāna sukh-akanda. 3.

ते दिनथी पुंडरीकगिरि, नाम दान सुखकंद. ३.

सिद्धाचल तीर्थ चैत्यवंदन

श्री शत्रुंजय सिद्धक्षेत्र, सिद्धाचल साचो.
आदीसर जिनरायनो, जिहां महिमा जाचो. १.
इहां अनंत गुणवंत साधु, पाम्या शिव वास.
एह गिरि सेवाथी अधिक, होय लील विलास. २.
दृष्टृत सवि दूरे हरे ए, बहु भव संचित जेह.
सकल तीर्थ शिर सेहरो, दान नमे धरी नेह. ३.

सिद्धाचल तीर्थ स्तवन

सिद्धाचल गिरि भेटचा रे, धन भाग्य हमारां.
ए गिरिवरनो महिमा मोटो, कहेतां न आवे पारा;
रायण-रुख समोसर्या स्वामी, पूरव नवाणु वारा रे. धन.१.
मूल नायक श्री आदि जिनेश्वर, चौमुख प्रतिमा चारा;
प्रातक्रमण सूत्र सह विवरन - भाग - इ. धन.२.

siddhācala tīrtha caityavandana

śrī śatruñjaya siddhakṣetra, siddhācala sāco.
ādiśara jinarāyano, jihāṄ mahimā jāco. 1.
ihāṄ ananta guṇavanta sādhu, pāmyā śiva vāsa.
eha giri sevāthī adhika, hoyā līlā vilāsa. 2.
dṛṣṭṛta savi dūre hare e, bahu bhava sañcita jeha.
sakala tīrtha śira seharo, dāna name dhari neha. 3.

siddhācala tīrtha stavana

siddhācala giri bhetyā re, dhana bhāgya hamārāṄ.
e girivarano mahimā moṭo, kahetāṄ na āve pārā;
rāyaṇa-rūkha samosaryā svāmī, pūrava navāṇuṄ vārā re. dhana.1.
mūla nāyaka śrī ādi jinesvara, caumukha pratimā cārā;
aṣṭa dravyaśuṄ pūjo bhāvē, samakita mūla ādhārā re. dhana.2.
bhāva bhaktiśuṄ prabhu guṇa gāvē, apanā janma sudhārā;

जिन स्तुति	काव्य विभाग	४७	kāvya part	bīja tithi stavana
प्रीति धरी प्रदक्षिणा सुण.., दीये एहने जे सार रे गुण..; अभंग प्रीति होय तेहने सुण.., भव भव तुम आधार रे. गुण.४. कुसुम पत्र फल मंजरी सुण.., शाखा थड ने मूल रे., गुण..; देव तणा वासाय छे सुण.., तीरथ ने अनुकूल रे. गुण.५. तीरथ ध्यान धरो मुदा सुण.., सेवो एहनी छांय रे. गुण..; ज्ञान विमल गुण भाखीयो सुण.., शत्रुंजय महातम मांय रे. ... गुण.६.	siddhācalā tīrtha stuti	prīti dhari pradakṣinā suṇa., dīye ehane je sāra re guṇa.; abhaṅga prīti hoyā tehane suṇa., bhava bhava tuma ādhāra re. guṇa.4. kusuma patra phala mañjari suṇa., śākhā thaḍa ne mūla re., guṇa.; deva taṇā vāsāya che suṇa., tīratha ne anukūla re..... guṇa.5. tīratha dhyāna dharo mudā suṇa., sevo ehanī chāṇya re. guṇa.; jñāna vimala guṇa bhākhiyo suṇa., śatruñjaya mahātama māṇya re..guṇa.6.		
सिद्धाचल तीर्थ स्तुति				
श्री शत्रुंजय मंडण, ऋषभ जिणेसर देव; सुर नर विद्याधर, सारे जेहनी सेव. सिद्धाचल शिखरे, सोहाकर शङ्गार; श्री नाभि नरेसर, मरुदेवीनो मल्हार. १.	siddhācalā tīrtha stuti	śrī śatruñjaya maṇḍaṇa, ṛṣabha jiṇesara deva; sura nara vidyādhara, sāre jehanī seva. siddhācalā śikhare, sohākara śringāra; śrī nābhi naresara, maru-devīno malhāra. 1.		
सिद्धाचल तीर्थ स्तुति				
श्री शत्रुंजय मंडण, ऋषभ जिणंद दयाल;	siddhācalā tīrtha stuti	śrī śatruñjaya maṇḍaṇa, ṛṣabha jiṇanda dayāla;		

मरुदेवा नंदन, वंदन करुं त्रण काल. ए तीरथ जाणी, पूरव नवाणुं वार; आदीश्वर आव्या, जाणी लाभ अपार.....१.	marudevā <u>nandana</u> , <u>vandana</u> karū _o traṇa kāla. e tīratha jāṇī, pūrava navāṇu _o vāra; ādiśvara āvyā, jāṇī lābha apāra.1.
त्रेवीश तीर्थकर, चडिया इण गिरिराय; ए तीरथनां गुण, सुर असुरादिक गाय. ए पावन तीरथ, त्रिभुवन नहीं तस तोले; ए तीरथना गुण, सीमधर मुख बोले.2.	trevīśa tīrthaṅkara, caḍiyā iṇa girirāya; e tīrathanā _o guṇa, sura asurādika gāya. e pāvana tīratha, tribhuvana nahi _o tasa tole; e tīrathanā guṇa, sīmaṇdhara mukha bole.2.
पुङ्डरीक गिरि महिमा, आगममां परसिद्ध; विमलाचल भेटी, लहीए अविचल रिद्ध. पंचम गति पहोंता, मुनिवर कोडा कोड; इणे तीरथे आवी, कर्म विपाक विछोड.3.	pundarīka giri mahimā, āgamamā _o parasiddha; vimalācala bheṭī, lahīe avicala riddha. pañcama gati pahoṭtā, munivara koḍā koḍa; iṇe tīrathe āvī, karma vipāka vichoda.3.
श्री शत्रुंजय केरी, अहोनिश रक्षाकारी; श्री आदि जिनेश्वर, आण हृदयमां धारी. श्री संघ विघ्नहर, कवड यक्ष गणभूर; श्री रवि बुध सागर, संघना संकट चूर.4.	śrī śatruñjaya kerī, ahoniśa rakṣākārī; śrī ādi jineśvara, āṇa hr̥dayamā _o dhārī. śrī saṅgha vighnahara, kavada yakṣa gaṇabhūra; śrī ravi budha sāgara, saṅghanā saṅkata cūra.4.

ऋषभ जिन चैत्यवंदन	r̥ṣabha jina caityavandana
सर्वारथ सिद्धे थकी, चविया आदि जिणंद; प्रथम राय विनीता वसे, मानव गण सुखकंद. १.	sarvāratha siddhe thakī, cavyā ādi jiṇānda;
जोनी नकुल जिणंदने, हायन एक हजार; मौनातीते केवली, वड हेठे निर्धार. २.	prathama rāya vinītā vase, mānava gaṇa sukhakanda. 1. jonī nakula jiṇandane, hāyana eka hajāra;
उत्तराषाढा जन्म छे ए, धन राशि अरिहंत; दश सहस परिवारशुं, वीर कहे शिव कंत. ३.	maunātīte kevalī, vadā hethe nirdhāra. 2. uttarāṣāḍhā janma che e, dhana rāśi arihanṭa;
	daśa sahasa parivāraśu, vīra kahe śiva kanta. 3.
ऋषभ जिन चैत्यवंदन	r̥ṣabha jina caityavandana
आदिनाथ अरिहंत जिन, ऋषभ देव जयकारी; संघ चतुर्विध तीर्थने, रथाप्युं जग सुखकारी. १.	ādinātha arihanṭa jina, r̥ṣabha deva jayakārī;
परमेश्वर परमात्मा, तनुयोगे साकार; अष्ट कर्म दूरे कर्या, निराकार निर्धार. २.	saṅgha caturvidha tīrthane, sthāpyu jaga sukhakārī. 1. parameśvara paramātma, tanuyoge sākāra;
साकारी अरिहंतजी ए, निराकारथी सिद्ध; बुद्धि सागर ध्यावतां, प्रगटे आत्म ऋद्धि. ३.	aṣṭa karma dūre karyā, nirākāra nirdhāra. 2. sākārī arihanṭaji e, nirākārathi siddha;
	buddhi sāgara dhyāvatā, pragate ātama r̥ddhi. 3.

ऋषभ जिन स्तवन	r̄ṣabha jina stavana
माता मरुदेवीना नन्द, देखी ताहरी मूरति. मारु मन लोभाणुंजी, के मारु चित्त-चोराणुं जी.	mātā maru-devīnā nanda, dekhī tāhari mūrati. māru _o mana lobhāṇu _o ji, ke māru _o citta-corāṇu _o ji.
करुणा-नागर करुणा-सागर, काया-कंचन-वान. धोरी-लंछन पाउले काई, धनुष पांचसे मान. माता.१.	karuṇā-nāgara karuṇā-sāgara, kāyā-kañcana-vāna. dhori-lañchana pāule kā _o i, dhanuṣa pāñcase _o māna. mātā.1.
त्रिगडे बेसी धर्म कहंता, सुणे पर्षदा बार. योजन गामिनी वाणी मीठी, वरसन्ती जलधार. माता.२.	trigade besī dharma kahantā, suṇe parṣadā bāra. yojana gāminī vāṇī miṭhī, varasanti jaladhāra. mātā.2.
ऊर्वशी रुडी अपसराने, रामा छे मनरंग. पाये नेपूर रणझणे काई, करती नाटारम्भ. माता.३.	ūrvashī rūḍī apasarāne, rāmā che manaraṅga. pāye nepūra raṇajhaṇe kā _o i, karatī nāṭārambha. mātā.3.
तुंही ब्रह्मा, तुंही विधाता, तुं जग-तारणहार. तुज सरीखो नहि देव जगतमां, अडवडिया आधार. माता.४.	tu _o hi brahmā, tu _o hi vidhātā, tu _o jaga-tāraṇahāra. tuja sariṁho nahi deva jagatamā _o , adavadiyā ādhāra. mātā.4.
तुंही भ्राता, तुंही त्राता, तुंही जगतनो देव. सुर-नर-किन्नर-वासुदेवा, करता तुज पद सेव. माता.५.	tu _o hi bhrātā, tu _o hi trātā, tu _o hi jagatano deva. sura-nara-kinnara-vāsudevā, karatā tuja pada seva. mātā.5.
श्री सिद्धाचल तीरथ केरो, राजा ऋषभ जिणंद. कीर्ति करे माणेक मुनि ताहरी, टालो भव-भय फंद. माता.६.	śrī siddhācalā tīratha kero, rājā r̄ṣabha jinānda. kīrti kare māṇeka muni tāhari, ṭālo bhava-bhaya phanda. mātā.6.

बीज तिथि	काव्य विभाग	५१	kāvya part	bīja tithi sajjhāya
सज्जाय	ऋषभ जिन स्तवन		ṛṣabha jina stavana	

ऋषभ जिनेश्वर प्रीतम माहरो रे, ओर न चाहुं रे कन्त.
रीझीयो साहेब संग न परिहरे रे, भांगे सादि-अनन्त. ऋषभ.१.
प्रीत-सगाई रे जगमां सहु करे रे, प्रीत-सगाई न कोय.
प्रीत-सगाई रे निरुपाधिक कही रे, सोपाधिक धन खोय. ऋषभ.२.
कोई कंत कारण काष्ठ भक्षण करे रे, मिलशुं कन्तने धाय.
ए मेलो नवि कहीए संभवे रे, मेलो ठाम न ठाय. ऋषभ.३.
कोई पति-रंजन अति घणुं तप करे रे, पति-रंजन तनु ताप.
ए पति-रंजन में नवि चित धर्यु रे, रंजन धातु मिलाप. ऋषभ.४.
कोई कहे लीला रे अलख-अलख तणी रे, लख पूरे मन आश.
दोष-रहितने लीला नवि घटे रे, लीला दोष विलास. ऋषभ.५.
चित्त प्रसन्ने रे पूजन फल कह्युं रे, पूजा अखण्डित एह.
कपट रहित थई आतम अरपणा रे, आनन्दघन पद रेह... ऋषभ.६.

ṛṣabha jineśvara prītama māharo re, ora na cāhuऽ re kanta.
rījhiyo sāheba saṅga na parihare re, bhāṅge sādi-ananta. ṛṣabha.1.
prīta-sagāī re jagamāऽ sahu kare re, prīta-sagāī na koya.
prīta-sagāī re nirupādhika kahī re, sopādhika dhana khoya. ṛṣabha.2.
koi kanta kāraṇa kāṣṭha bhakṣaṇa kare re, milaśuऽ kantane dhāya.
e melo navi kahie sambhave re, melo ṭhāma na ṭhāya. ṛṣabha.3.
koi pati-rañjana ati ghaṇuऽ tapa kare re, pati-rañjana tanu tāpa.
e pati-rañjana meऽ navi cita dharyuऽ re, rañjana dhātu milāpa. ṛṣabha.4.
koi kahe līlā re alakha-alakha taṇī re, lakha pūre mana āśa.
doṣa-rahitane līlā navi ghaṭe re, līlā doṣa vilāsa. ṛṣabha.5.
citta prasanne re pūjana phala kahyuऽ re, pūjā akhaṇḍita eha.
kapaṭa rahita thai ātama arapaṇā re, ānandaghana pada reha. ... ṛṣabha.6.

ऋषभ जिन स्तुति	rsabha jina stuti
प्रह ऊठी वंदुं, ऋषभ देव गुणवंतः; प्रभु बेठा सोहे, समवसरण भगवंतः. त्रण छत्र विराजे, चामर ढाले इंद्रः; जिनना गुण गावे, सुर नर नारीना वृंदः. १.	praha ūṭhi vānduः, ṛṣabha deva guṇavanta; prabhu bēṭhā sohe, samavasaraṇa bhagavanta. traṇa chatra virāje, cāmara ḍhāle īndra; jinanā guṇa gāve, sura nara nārīnā vṛnda. 1.
बार परषदा बेसे, इंद्र इंद्राणी राय; नव कमल रचे सुर, जिहां ठवता प्रभु पाय. देव दुंदुभि वाजे, कुसुम वृष्टि बहु हुतः; एवा जिन चोवीस, पूजो एकण चित्त. २.	bāra paraśadā bese, īndra īndrāṇī rāya; nava kamala race sura, jihāः thavatā prabhu pāya. deva dundubhi vāje, kusuma vṛṣṭi bahu hunta; evā jina covīsa, pūjo ekaṇa citta. 2.
जिन जोजन भूमि, वाणीनो विस्तार; प्रभु अरथ प्रकाशे, रचना गणधर सार. सो आगम सुणतां, छेदीजे गति चार; जिन वचन वखाणी, लहीये भवनो पार. ३.	jina jojana bhūmi, vāṇīno vistāra; prabhu aratha prakāśe, racanā gaṇadhara sāra. so āgama suṇatāः, chedīje gati cāra; jina vacana vakhāṇī, lahiye bhavano pāra. 3.
यक्ष गोमुख गिरुओ, जिननी भक्ति करेव; तिहां देवी चक्केसरी, विघ्न कोडी हरेव. श्री तपगच्छ नायक, विजयसेन सूरिराय; तस केरो श्रावक, ऋषभदास गुण गाय. ४.	yakṣa gomukha giruo, jinani bhakti kareva; tihāः devī cakkesarī, vighana koḍi hareva. śrī tapa-gaccha nāyaka, vijaya-sena sūri-rāya; tasa kero śrāvaka, ṛṣabhadāsa guṇa gāya. 4.

भक्तामर पादपूर्ति ऋषभ जिन स्तुति		bhaktāmara pādapūrti ṛṣabha jina stuti
भक्तामर-प्रणत-मौलिमणि-प्रभाणा-, मुद्दीपं जिन! पदाम्बुज-यामलं ते; स्तोषे मुदाह-मनिशं किल मारुदेव, दुष्टाष्ट-कर्मरिपु-मण्डलभित्! सुधीर!...१.		bhaktāmara-praṇata-mauli-maṇi-prabhāṇā-, mud-dipakam jina! padāmbuja-yāmalam te; stosye mudāha-maniśam kila mārudeva, duṣṭaṣṭa-karma-ripu-maṇḍalabhit! sudhīra!
श्रीमज्जिनेश्वर-कलापमहं त्रिलोक्या-, मुद्द्योतकं दलित-पापतमो-वितानम्; भव्याम्बु-जात-दिननाथ-निभं स्तवीमि, भक्त्या नमस्कृत-ममर्त्य-नराधि-राजैः...२.	.1.	śrīmaj-jineśvara-kalāpa-maham trilokyā-, muddyotakam dalita-pāpa-tamo-vitānam;
वर्या जिन-क्षितिपते-स्त्रिपदी-मवाप्य, गच्छेश्वरैः प्रकटिता किल वाङ्मुदा या; सम्यक् प्रणम्य जिन-पादयुगं युगादा-, वाढ्या शुभार्थ-निकरै-भुवि सास्तु लक्ष्म्यै...३.	.2.	bhavyāmbu-jāta-dina-nātha-nibham stavīmi, bhaktyā namaskṛta-mamartya-narādhi-rājaiḥ.
यक्षेश्वर-स्तव जिनेश्वर! गोमुखाह्वः, सेवां व्यधत्त कुशल-क्षिति-भृत्ययोदः; त्वत्पाद-पंकज-मधुव्रततां दधानो-, वालबनं भवजले पततां जनानाम्...४.	.3.	varyām jina-kṣitipate-stripadi-mavāpya, gaccheśvaraiḥ prakaṭitā kila vāñmudā yā; samyak praṇamya jina-pāda-yugam yugādā-, vāḍhyā śubhārtha-nikarair-bhuvi sāstu lakṣmyai.

<p>शांति जिन चैत्यवंदन</p> <p>विपुल-निर्मल-कीर्ति-भराच्चितो, जयति-निर्जर-नाथ-नमस्कृतः; लघु-विनिर्जित-मोह-धराधिपो, जगति यः प्रभु-शान्ति-जिनाधिपः. १. विहित शान्त-सुधारस-मज्जनं, निखिल-दुर्जय-दोष-विवर्जितम्; परम-पुण्यवतां भजनीयतां, गतमनन्त-गुणैः सहितं सताम्. २. तम-चिरात्मज-मीश-मधीश्वरं, भविक-पद्म-विबोध-दिनेश्वरम्; महिमधाम भजामि जगल्त्रये, वरमनुत्तर-सिद्धि-समृद्धये. ३.</p> <p>शांति जिन स्तवन</p> <p>म्हारो मुजरो ल्योने राज, साहिब शांति सलुणा. अचिराजीना नंदन तोरे, दर्शन हेते आव्यो; समकित रीझ करोने स्वामी, भगति भेटणु लाव्यो. म्हारो.१. दुःख भंजन छे बिरुद तुमारुं, अमने आशा तुमारी; तुमे निरागी थईने छूटो, शी गति होशे अमारी. म्हारो.२. कहेशे लोक न ताणी कहेवुं, एवडुं स्वामी आगे;</p>	<p>sevām vyadhatta kuśala-ksiti-bhṛt-payodah; tvatpāda-paṅkaja-madhu-vratatām dadhāno,- vālabanam bhavajale patatām janānām. .4.</p> <p>sānti jina caityavandana</p> <p>vipula-nirmala-kīrti-bharānvito, jayati-nirjara-nātha-namaskṛtaḥ; laghu-vinirjita-moha-dharādhipo, jagati yaḥ prabhu-sānti-jinādhipah.1. vihita sānta-sudhā-rasa-majjanam, nikhila-durjaya-doṣa-vivarjitam; parama-puṇyavatām bhajaniyatām, gata-mananta-guṇaiḥ sahitam satām. .2. tama-cirātmaja-miśa-madhiśvaram, bhavika-padma-vibodha-dineśvaram; mahi-madhāma bhajāmi jagattraye, vara-manuttara-siddhi-samṛddhaye. . .3.</p> <p>sānti jina stavana</p> <p>mhāro mujaro lyone rāja, sāhiba sānti saluṇā.</p>
---	--

पण बालक जो बोली न जाणे, तो केम व्हालो लागे. म्हारो.३.
 मारे तो तुं समरथ साहिब, तो केम ओछुं मानुं;
 चिंतामणि जेणे गांठे बांध्युं, तेहने काम किशानुं. म्हारो.४.
 अध्यातम रवि ऊग्यो मुज घट, मोह तिमिर हर्युं जुगते;
 विमल विजय वाचकनो सेवक, राम कहे शुभ भगते. म्हारो.५.

पार्श्व जिन चैत्यवंदन

ॐ नमः पार्श्वनाथाय, विश्व-चिंतामणीयते;
 ह्रीं धरणेन्द्र वैरोट्या, पद्मादेवी-युताय ते. १.
 शांति-तुष्टि-महापुष्टि-, धृति-कीर्ति-विधायिने;
 ॐ ह्रीं द्विड्व्याल वेताल, सर्वाधि-व्याधि-नाशिने. २.
 जया-जिताख्या-विजयाख्या-, पराजितयान्वितः;
 दिशां-पालैर्ग्रहैर्यक्षे-, विद्यादेवीभि-रन्वितः. ३.
 ॐ असिआउसा, नमस्तत्र त्रैलोक्य-नाथताम्;
 चतुष्पुष्टि: सुरेंद्रास्ते, भासंते छत्र-चामरैः. ४.
 श्री-शंखेश्वर मंडन-पार्श्वजिन, प्रणत कल्प-तरु-कल्प;
 चूर्य दुष्टं ब्रातं, पूर्य मे वांछितं नैथ. ५. ♦♦

acirājīnā nandana tore, darśana hete āvyo;
 samakita rījha karone svāmī, bhagati bheṭanu^o lāvyo. mhāro.1.
 duḥkha bhañjana che biruda tumāru^o, amane āśā tumārī;
 tume nirāgī thaīne chūṭo, sī gati hoše amārī. mhāro.2.
 kaheśe loka na tānī kahevuo^o, evaduo^o svāmī āge;
 paṇa bālaka jo bolī na jāne, to kema vhālo lāge. mhāro.3.
 māre to tu^o samaratha sāhiba, to kema ochu^o mānu^o;
 cintāmaṇi jeṇe gāṇthe bāndhyuo^o, tehane kāma kisānu^o. mhāro.4.
 adhyātama ravi ūgyo muja ghaṭa, moha timira haryuo^o jugate;
 vimala vijaya vācakano sevaka, rāma kahe śubha bhagate. mhāro.5.

pārśva jina caityavandana

om̄ namaḥ pārśvanāthāya, viśva-cintāmaṇīyate;
 hrīṁ dharaṇendra vairotyā, padmādevī-yutāya te. 1.
 sānti-tuṣṭi-mahāpuṣṭi-, dhṛti-kīrti-vidhāyine;
 om̄ hrīṁ dviḍvyāla vetāla, sarvādhi-vyādhi-nāśine. 2. ♦♦

<p>पार्श्व जिन स्तवन</p> <p>कोयल टहुकी रही मधुवन में, पार्श्व शामलीया वसो मेरे दिलमें. काशी देश वाणारसी नगरी, जन्म लीयो प्रभु क्षत्रिय कुलमें... कोयल.१.</p> <p>बालपणामां प्रभु अद्भुत ज्ञानी, कमठको मान हर्यो एक पलमें... कोयल.२.</p> <p>नाग निकाला काष्ठ चिराकर, नागकुं सुरपति कीयो एक छीन में... कोयल.३.</p> <p>संयम लई प्रभु विचरवा लाग्या, संयममें भींज गयो एक रंग में... कोयल.४.</p> <p>समेत-शिखर प्रभु मोक्षे सिधाव्या, पार्श्वजी को महिमा तीन जगत में... कोयल.५.</p> <p>उदय रतन की एही अरज है, दिल अटको तोरा चरण कमल में... कोयल.६.</p>	<p>jayā-jitākhyā-vijayākhyā-, parājitayānvitah; diśām-pālair-grahair-yakṣair-, vidyā-devībhi-ranvitah. 3. oṁ asiāusā, namas-tatra trailokya-nāthatām; catus-saṣṭih surendrāste, bhāsante chatra-cāmaraiḥ. 4. śrī-śaṅkheśvara mañdana-pārśva-jina, praṇata kalpa-taru-kalpa; cūraya duṣṭa-vrātam, pūraya me vāñchitam nātha. 5.</p> <p style="text-align: center;">pārśva jina stavana</p> <p>koyala tāhukī rahī madhuvana me, pārśva śāmalīyā vaso mere dilame. kāśī desa vāñarasi nagari, janma liyo prabhu kṣatriya kulame.</p> <p>koyala.1. bālapaṇāmā prabhu adbhuta jñānī, kamaṭhako māna haryo eka palame.</p> <p>koyala.2. nāga nikālā kāṣṭha cirākara,</p>
--	--

श्रेयः श्रियां मंगल पादपूर्ति पार्श्वं जिन स्तुति

श्रेयः श्रियां मंगल-केलिसद्म !, श्रीयुक्त-चिन्तामणि-पार्श्वनाथ !; दुर्वार-संसार-भयाच्च रक्ष, मोक्षस्य मार्गं वर-सार्थवाह !. १. जिनेश्वराणां निकर ! क्षमायां, नरेन्द्र-देवेन्द्र-नतांघि-पद्म !; कुरुष्व निर्वाण-सुखं क्षमाभृत् !, सत्केवल-ज्ञानरमां दधान !. २. कैवल्य-वामा-हृदयैकहार !, क्षमा-सरस्व-द्रजनीश-तुल्य !; सर्वज्ञ ! सर्वातिशय-प्रधान !, तनोतु ते वाग् जिनराज ! सौख्यम्. ३. श्री-पार्श्वनाथ-क्रमणाम्बु-जात-, सारंग-तुल्यः कलधौत-कान्तिः; श्री-यक्षराजो गरुडाभिधानः, चिरं जय ज्ञान-कलानिधान !. ४.

वीर जिन तप चैत्यवंदन

नव चोमासी तप कर्या, त्रणमासी दोय. दोय दोय अढीमासी कर्या, तेम दोढमासी होय. १. बहोंतेर पास खमण कर्या, मास खमण कर्या बार. षड बेमासी तप आदर्या, बार अद्वम तप सार. २.

nāgakuo surapati kīyo eka chīna meo.koyala.3.
sañyama lai prabhu vicaravā lāgyā,
sañyamameo bhīñja gayo eka raṅga meo.koyala.4.
sameta-śikhara prabhu mokṣe sidhāvyā,
pārśvajī ko mahimā tīna jagata meo.koyala.5.
udaya ratana kī ehī araja hai,
dila aṭako torā caraṇa kamala meo.
koyala.6.

śreyaḥ śriyām maṅgala pādapurti pārśva jina stuti

śreyaḥ śriyām maṅgala-kelisadma!, śriyukta-cintāmaṇi-pārśvanāthal;
durvāra-saṁsāra-bhayācca rakṣa, mokṣasya mārge vara-sārthavāha!. 1.
jineśvarāṇām nikara! kṣamāyām, narendra-devendra-natāṅghri-padma;
kuruṣva nirvāṇa-sukham kṣamābhṛt!, satkevala-jñānaramām dadhāna!. ... 2.

<p>स्तुति</p> <p>षडमासी एक तप कर्यो, पंच दिण उण षड मास. बसो ओगणत्रीस छट्ठ भला, दीक्षा दिन एक खास. ३. भद्र प्रतिमा दोय भली, महाभद्र दिन चार. दश सर्वतो भद्रता, लागट निरधार. ४. विण पाणी तप आदर्या, पारणादिक जास. द्रव्याहारे पारणा कर्या, त्रणसो ओगणपचास. ५. छद्मस्थ एणी परे रह्या ए, सह्यां परिषह घोर. शुक्ल ध्यान अनले करी, बाल्यां कर्म कठोर. ६. शुक्ल ध्यान अंते रह्याए, पाम्या केवल नाण. पद्म विजय कहे प्रणमतां, लहिए नित्य कल्याण. ७.</p> <p style="text-align: center;">वीर जिन स्तवन</p> <p>सिद्धारथना रे नन्दन विनवुं, विनतडी अवधार. भव मण्डपमां रे नाटक नाचियो, हवे मुज पार उतार. सिद्धा.१. त्रण रतन मुज आपो तातजी, जेम नावेरे सन्ताप. दान दियंता रे प्रभु कोसर कीसी, आपो पदवी रे आप. ♦ सिद्धा.२. चरण-अंगूठे रे मेरु कंपावियो, मोङ्चां सुरनां रे मान.</p>	<p>kaivalya-vāmā-hṛdayaikahāra!, kṣamā-sarasva-drajanīśa-tulya!; sarvajñā! sarvātisaya-pradhāna!, tanotu te vāg jinarāja! sauκhyam. 3. śrī-pārśvanātha-kramanāmbu-jāta-, sāraṅga-tulyaḥ kaladhauta-kāntih; śrī-yakṣarājо garudābhidhānah, ciram jaya jñāna-kalānidhāna!. 4.</p> <p style="text-align: center;">vīra jina tapa caityavandana</p> <p>nava comāsī tapa karyā, traṇa-māsī doya. doya doya adhī-māsī karyā, tema doḍha-māsī hoyā. 1. bahooṭera pāsa khamāṇa karyā, māsa khamāṇa karyā bāra. ṣāda bemāsī tapa ādaryā, bāra atṭhama tapa sāra. 2. ṣāda-māsī eka tapa karyo, pañca diṇa uṇa ṣāda māsa. baso ogaṇatrisa chattha bhalā, dīkṣā dina eka khāsa. 3. bhadra pratimā doya bhalī, mahābhadra dina cāra. daśa sarvato bhadratā, lāgaṭa niradhāra. 4. viṇa pāṇī tapa ādaryā, pāraṇādika jāsa. dravyākāre pāraṇā karyā, traṇaso ogāṇapacāsa. ♦ 5.</p>
---	--

अष्ट करमना रे झगडा जीतवा, दीधां वरसी रे दान सिद्धा.३.
 शासन नायक शिवसुख दायक, त्रिशला कूखे रतन.
 सिद्धारथनो रे वंश दीपावियो, प्रभुजी तुमे धन्य धन्य सिद्धा.४.
 वाचक शेखर कीर्ति विजय गुरु, पामी तास पसाय.
 धरम तणा जिन चोवीसमा, विनय विजय गुण गाय सिद्धा.५.

वीर जिन चौमासी पारणुं स्तवन

चउमासी पारणुं आवे, करी विनति निज घर जावे;
 पिया पुत्रने वात जणावे, पटकुल जरी पथरावे;
 महावीर प्रभु घेर आवे, जीरण शेठजी भावना भावे रे. महावीर.१.
 ऊभी शेरीए जल छंटकावे, जाइ केतकी फूल बिछावे;
 निज घर तोरण बंधावे, मेवा मिठाई थाल भरावे रे. महावीर.२.
 अरिहाने दान ज दीजे, देतां जे देखीने रीजे;
 षट् मासी रोग हरीजे, सीजे दायक भव त्रीजे रे. महावीर.३.
 ते जिनवरनी सनमुख जाउं, मुज मंदिरीये पधरावुं;
 पारणुं भली भाते करावुं, जुगते जिन पूजा रचावुं रे. महावीर.४.
 पछी प्रभुने वलावा जईशुं, कर जोडीने सनमुख रहीशुं;

chadmastha eṇī pare rahyā e, sahyā_० pariṣaha ghora.
 śukla dhyāna anale kari, bālyā_० karma kaṭhara. 6.
 śukla dhyāna ante rahyāe, pāmyā kevala nāṇa.
 padma vijaya kahe pranamatā_०, lahie nitya kalyāṇa. 7.

vīra jina stavana

siddhārathanā re nandana vinavu_०, vinataḍī avadhāra.
 bhava maṇḍapamā_० re nāṭaka nāciyo, have muja pāra utāra. siddhā.१.
 traṇa ratana muja āpo tātajī, jema nāverē santāpa.
 dāna diyantā re prabhu kosara kīśī, āpo padavī re āpa. siddhā.२.
 caraṇa-aṅgūṭhe re meru kampāviyo, modyā_० suranā_० re māna.
 aṣṭa karamanā re jhagadā jitavā, dīdhā_० varasi re dāna. siddhā.३.
 sāsana nāyaka śivasukha dāyaka, triśalā kūkhe ratana.
 siddhārathano re vanśa dīpāviyo, prabhujī tume dhanya dhanya... siddhā.४.
 vācaka śekhara kīrti vijaya guru, pāmī tāsa pasāya.
 dharama taṇā jina covisamā, vinaya vijaya guṇa gāya. siddhā.५.

नमी वंदीने पावन थईशुं, विरति अति रंगे वरीशुं रे महावीर.५.
 दया दान क्षमा शील धरशुं, उपदेश सज्जनने करशुं;
 सत्य ज्ञान दशा अनुसरशुं, अनुकंपा, लक्षण वरशुं रे. महावीर.६.
 एम जीरण शेठ वदंता, परिणामनी धारे चढंता;
 श्रावकनी सीमे ठरंता, देवदुंदुभि नाद सुणंता रे. महावीर.७.
 करी आयु पूरण शुभ भावे, सुरलोक अच्युते जावे;
 शातावेदनी सुख पावे, शुभ वीर वचन रस गावे रे. महावीर.८.

वीर जिन स्तुति

ऊठी सवारे सामायिक लीधुं, पण बारणुं नवि दीधुंजी;
 कालो कूतरो घरमांहे पेठो, घी सघलुं तेणे पीधुंजी.
 ऊठो ने वहूअर आलस मूकी, ए घर आप संभालोजी;
 निज पति ने कहो वीर जिन पूजी, समकितने अजुआलोजी.१.
 बले बिलाडे झडप झडपावी, उत्रेड सर्वे फोडीजी;
 चंचल छैयां वार्या न रहे, त्राग भांगी माल त्रोडीजी.
 तेह विणा रेटियों नवि चाले, मौन भलुं कोने कहियेजी.२.

vīra jina caumāsi pāraṇuऽ stavana

caumāsi pāraṇuऽ ावे, karī vinati nija ghara jāve;
 piyā putrane vāta jaṇāve, paṭakula jarī patharāve;
 mahāvīra prabhu ghera ावे, jīraṇa śeṭhajī bhāvanā bhāve re. mahā.1.
 ūbhī śerī jala chantakāve, jāi ketakī phūla bichāve;
 nija ghara torana bandhāve, mevā miṭhāī thāla bharāve re. mahā.2.
 arihāne dāna ja dije, detāऽ je dekhīne rīje;
 ṣat māsi roga harije, sīje dāyaka bhava trije re. mahā.3.
 te jinavarani sanamukha jāuऽ, muja mandirīye padharāvuऽ;
 pāraṇuऽ bhalī bhāte karāvuऽ, jugate jina pūjā racāvuऽ re. mahā.4.
 pachī prabhune valāvā jaiśuऽ, kara joḍīne sanamukha rahiśuऽ;
 namī vandīne pāvana thaiśuऽ, virati ati raṅge variśuऽ re. mahā.5.
 dayā dāna kṣamā śīla dharaśuऽ, upadeśa sajjanane karaśuऽ;
 satya jñāna daśā anusaraśuऽ, anukampā, lakṣaṇa varaśuऽ re. mahā.6.
 ema jīraṇa śeṭha vadantā, pariṇāmanī dhāre caḍhantā;
 śrāvakanī sīme ḥarantā, devadundubhi nāda sunāntā re. mahā.7.
 karī āyu pūraṇa śubha bhāve, suraloka acyute jāve;

घर वासीदुं करोने वहउर, टालो ओजीसालुंजी; चोरटो एक फरे छे हेरु, ओरडे द्योने तालुंजी. लपके प्राहुणा चार आवे छे, ते ऊभा नवि राखोजी; शिवपद सुख अनंतु लहिये, जो जिन वाणी चाखोजी. ३.
घरनो खूणो कोण खणे छे, वहु तुमे मनमां लावोजी; पहोले पलंगे प्रीतम पोढ्यो, प्रेम धरीने जगावोजी. भावप्रभ सूरि कहे नहीं ए कथलो, अध्यातम उपयोगीजी; सिद्धायिका देवी सानिध्य करेवी, साधे ते शिवपद भोगीजी. ४.
वीर जिन स्तुति
वीरं देवं नित्यं वंदे. १.
जैनाः पादा युष्मान् पान्तु. २.
जैनं वाक्यं भूयाद् भूत्यै. ३.
सिद्धा देवी दद्यात् सौख्यम्. ४.

śātāvedanī sukha pāve, śubha vīra vacana rasa gāve re. mahā.8.
vīra jina stuti

ūṭhi savāre sāmāyika līdhuऽ, paṇa bāraṇuऽ navi dīdhuऽjī;
 kālo kūtarō gharamāऽhe petho, ghi saghaluऽ teṇe pīdhuऽjī.
 ūṭho ne vahūara ālasa mūki, e ghara āpa sambhālojī;
 nija pati ne kaho vīra jina pūjī, samakitane ajuālojī. 1.
 bale bilāde jhaḍapa jhaḍapāvī, utreḍa sarve phodījī;
 cañcalā chaiyāऽ vāryāऽ na rahe, trāga bhāṅgī māla troḍījī.
 teha viṇā reṇtiyoऽ navi cāle, mauna bhaluऽ kone kahiyejī.
 rsabhādika cauviṣa tīrthaṅkara, japiye to śiva sukha lahiyejī. 2.
 ghara vāśiduऽ karone vahuara, ṭālo ojīsāluऽjī;
 coraṭo eka phare che heruऽ, orade dyone tāluऽjī.
 lapake prāhuṇā cāra āve che, te ūbhā navi rākhojī;
 śivapada sukha anantu lahiye, jo jina vāṇī cākhojī. 3.
 gharano khūṇo koṇa khaṇe che, vahu tume manamāऽ lāvojī;

<p>दीपावली पर्व चैत्यवंदन</p> <p>श्री सिद्धारथ नृप कुल तिलो, त्रिशला जस मात. हरि लंछन तनु सात हाथ, महिमा विख्यात. १.</p> <p>त्रीस वरस गृहवास छंडी, लीए संयम भार. बार वरस छद्मस्थ मान, लही केवल सार. २.</p> <p>त्रीस वरस एम सवि मली ए, बहोंतेर आयु प्रमाण. दीवाली दिन शिव गया, कहे नय तेह गुण खाण. ३.</p> <p>दीपावली पर्व स्तवन</p> <p>मारे दीवाली थई आज, प्रभु-मुख जोवाने; सर्या सर्या रे सेवकनां काज, भव दुःख खोवाने.</p> <p>महावीर स्वामी मुगते पहोंता, गौतम केवल ज्ञान रे; धन्य अमावस्या धन्य दीवाली, महावीर प्रभु निरवाण. जिन.१.</p> <p>चारित्र पाली निरमलुं रे, टाल्यां विषय-कषाय रे. एवा मुनिने वन्दीए, जे उतारे भवपार. जिन.२.</p>	<p>pahole palaṅge prītama poḍhyo, prema dharīne jagāvojī. bhāvaprabha sūri kahe nahiṄ e kathalo, adhyātama upayogījī; siddhāyikā devī sānnidhya karevī, sādhe te śivapada bhogījī. ४.</p> <p style="text-align: right;"><i>vīra jina stuti</i></p> <p>vīram_ devam_ nityam_ vande. १. jaināḥ pādā yuṣmān pāntu. २. jainam_ vākyam_ bhūyād bhūtyai. ३. siddhā devī dadyāt saukhyam. ४.</p> <p style="text-align: right;"><i>dīpāvalī parva caityavandana</i></p> <p>sṛi siddhāratha nrpa kula tilo, triśalā jasa māta. hari lañchana tanu sāta hātha, mahimā vikhyāta. १. trīsa varasa gr̄havāsa chāndī, lie sañyama bhāra. bāra varasa chadmastha māna, lahi kevala sāra. २.</p>
---	---

बाकुल वहोर्या वीरजिने, तारी चन्दनबाला रे. केवल लई प्रभु मुगते पहोंच्या, पाम्या भवनो पार. जिन.३. एवा मुनिने वन्दीए, जे पंचज्ञान ने धरता रे. समवसरण दई देशना, प्रभु तार्या नर ने नार. जिन.४. चोवीसमा जिनेसरू रे, मुक्तितणा दातार रे. कर जोडी कवि एम भणे, प्रभु भवनो फेरो टाल. जिन.५.	<p>trīsa varasa ema savi malī e, bahoo_१terā āyu pramāṇa. dīvālī dina śiva gayā, kahe naya teha guṇa khāṇa.3.</p> <p style="text-align: center;">dīpāvalī parva stavana</p> <p>māre dīvālī thai āja, prabhu-mukha jovāne; saryā_१ saryā_१ re sevakānā_१ kāja, bhava duḥkha khovāne. mahāvīra svāmī mugate paho_१tā, gautama kevala jñāna re; dhanya amāvasyā dhanya dīvālī, mahāvīra prabhu niravāṇa. jina.1. cāritra pālī niramalu_१ re, tālyā_१ viṣaya-kaṣāya re. evā munine vandīe, je utāre bhavapāra. jina.2. bākula vahoryā vīrajine, tārī candanabālā re. kevala laī prabhu mugate paho_१cyā, pāmyā bhavano pāra. jina.3. evā munine vandīe, je pañcajñāna ne dharatā re. samavasaraṇa dai deśanā, prabhu tāryā nara ne nāra. jina.4. covīsamā jinesarū re, muktitaṇā dātāra re. kara joqī kavi ema bhaṇe, prabhu bhavano phero tāla. jina.5.</p>
<p style="text-align: center;">पर्युषण पर्व चैत्यवंदन</p> <p>वडा कल्प पूरव दिने, घरे कल्पने लावो. रात्रि जागरण प्रमुख करी, शासन सोहावो. १. हय गय शणगारी कुमर, लावो गुरु पासे. वडा कल्प दिन सांभलो, वीर चरित उल्लासे. २. छठ द्वादश तप कीजिये, धरीए शुभ परिणाम. साधर्मी वत्सल प्रभावना, पूजा अभिराम. ३. जिन उत्तम गौतम प्रत्ये ए, कहे जो एकवीस वार. गुरु मुख पद्मे भावशुं, सुणतां पामे पार. ४.</p>	

<p>दूज तिथि चैत्यवंदन</p> <p>दुविध बंधने टालीए, जे वली राग ने द्वेष; आर्त रौद्र दोय अशुभ ध्यान, नवि करो लवलेश. १.</p> <p>बीज दिने वली बोधि बीज, चित ठाणे वावो; जेम दुःख दुर्गति नवि लहो, जगमां जश चावो. २.</p> <p>भावो रुडी भावना ए, वाधो शुभ गुणठाण; ज्ञान विमल तप तेज थी, होय कोडी कल्याण. ३.</p> <p>बीज तिथि स्तवन</p> <p>दोहा</p> <p>सरस वचन रस वरसती, सरसती कला भंडार; बीज तणो महिमा कहुं, जिम कह्यो शास्त्र मोझार. १.</p> <p>जंबु द्वीपना भरतमां, राजगृही नगरी उद्यान; वीर जिणंद समोसर्या, वांदवा आव्या राजन. २.</p> <p>श्रेणिक नामे भूपति, बेठा बेसण ठाय;</p>	<p>paryuṣaṇa parva caityavandana</p> <p>vadā kalpa pūrava dine, ghare kalpane lāvo. rātri jāgaraṇa pramukha kari, śāsana sohāvo. 1.</p> <p>haya gaya śāṇagārī kumara, lāvo guru pāse. vadā kalpa dina sāmbhalo, vīra carita ullāse. 2.</p> <p>chaṭha dvādaśa tapa kījiye, dharie śubha pariṇāma. sādharmī vatsala prabhāvanā, pūjā abhirāma. 3.</p> <p>jina uttama gauṭama pratye e, kahe jo ekavīsa vāra. guru mukha padme bhāvaśu, suṇatā pāme pāra. 4.</p> <p>dūja tithi caityavandana</p> <p>duvidha bandhane ṭālie, je valī rāga ne dveṣa; ārta raudra doya aśubha dhyāna, navi karo lavaleśa. 1.</p> <p>bīja dine valī bodhi bīja, cita ṭhāne vāvo; jema duḥkha durgati navi laho, jagamā jaśa cāvo. 2.</p>
--	---

पूछे श्री जिनरायने, द्यो उपदेश महाराय.....	३.
त्रिगडे बेठा त्रिभुवनपति, देशना दीये जिनराय;	
कमल सुकोमल पांखडी, एम जिन हृदय सोहाय.	४.
शशि प्रगटे जेम ते दिने, धन्य ते दिन सुविहाण;	
एक मने आराधतां, पामे पद निर्वाण.	५.

ढाल-१

कल्याणक जिनना कहुं सुण प्राणी रे, अभिनंदन अरिहंत; ए भगवंत भवि प्राणी रे;	
माघ शुदि बीजने दिने सुण.., पाम्या शिवसुख सार; हरख अपार. भवि.	१.
वासुपूज्य जिन बारमा सुण., एहज तिथिए थयु नाण; सफल विहाण. भवि.;	
अष्ट कर्म चूरण करी सुण., अवगाहन एक वार; मुक्ति मोङ्गार....भवि.२.	
अरनाथ जिनजी नमुं सुण., अष्टादशमा अरिहंत; ए भगवंत. भवि.;	
उज्ज्वल तिथि फागणनी भली सुण., वरीया शिववधु सार; सुंदर नार.भवि.३.	

bhāvo rūḍī bhāvanā e, vādho śubha guṇāṭhāṇa;
jñāna vimala tapa teja thī, hoya kodi kalyāṇa.3.

bīja tithi stavana

dohā

sarasa vacana rasa varasatī, sarasatī kalā bhanḍāra;
bīja taṇo mahimā kahuऽ, jima kahyo śāstra mojhāra.1.
jambu dvīpanā bharatamāऽ, rājagṛhi nagari udyāna;
vīra jiṇānda samosaryā, vāṇḍavā āvyā rājana.2.
śreṇīka nāme bhūpati, beṭhā besaṇa ṭhāya;
pūche śrī jinarāyane, dyo upadeśa mahārāya.3.
trigade beṭhā tribhuvanapati, deśanā diye jinarāya;
kamala sukomala pāṅkhadī, ema jina hrdaya sohāya.4.
śāśi pragaṭe jema te dine, dhanya te dina suvihāṇa;
eka mane ārādhataऽ, pāme pada nirvāṇa.5.

dhāla-1

<p>दशमा शीतल जिनेश्वरु सुण.., परम पदनी ए वेल; गुणनी गेल. भवि.; वैशाख वदि बीजने दिने सुण., मूक्यो सरवे ए साथ; सुरनर नाथ. ...भवि.४. श्रावण शुद्धनी बीज भली सुण., सुमति नाथ जिन देव; सारे सेव. भवि.; एणि तिथिए जिनजी तणा सुण., कल्याणक पंच सार; भवनो पार....भवि.५.</p> <p style="text-align: center;">ढाल-२</p> <p>जगपति जिन चोवीशमो रे लाल, ए भाख्यो अधिकार रे भविकजन; श्रेणिक आदे सहु मल्या रे लाल, शक्ति तणे अनुसार रे भविकजन भाव धरीने सांभलो रे लाल. ...१. दोय वरस दोय मासनी रे लाल, आराधो धरी खंत रे भविकजन; ऊजमणुं विधिशुं करो रे लाल, बीज ते मुक्ति महंत रे भविकजन. ...भाव.२. मार्ग मिथ्या दूरे तजो रे लाल, आराधो गुण थोक रे भविकजन; वीरनी वाणी सांभली रे लाल,</p>	<p>kalyāñaka jinanā kahu<u>o</u> suṇa prāñī re, abhinandana arihanta; e bhagavanta bhavi prāñī re; māgha śudi bijane dine suṇa., pāmyā śivasukha sāra; harakha apāra. bhavi..1. vāsupūjya jina bāramā suṇa., ehaja tithe thayu nāṇa; saphala vihāṇa. bhavi.; aṣṭa karma cūraṇa kari suṇa., avagāhana eka vāra; mukti mojhāra.bhavi.2. aranātha jinajī namu<u>o</u> suṇa., aṣṭādaśamā arihanta; e bhagavanta. bhavi.; ujjvala tithi phāgaṇanī bhalī suṇa., variyā śivavadhu sāra; sundara nāra.bhavi.3. daśamā śītala jineśvaru suṇa., parama padanī e vela; guṇanī gela. bhavi.; vaiśākha vadi bijane dine suṇa., mūkyo sarave e sātha; suranara nātha.bhavi.4. śrāvaṇa śudanī bija bhalī suṇa.,</p>
---	--

<p>उचरंग थया बहु लोक रे भविकजन. ...भाव.३. एणी बीजे केई तर्या रे लाल, वली तरशे केई शेष रे भविकजन; शशि निधि अनुमान थी रे लाल, सईला नागधर एष रे भविकजन....भाव.४. अषाढ शुदि दशमी दिने रे लाल, ए गायो रत्तवन रसाल रे भविकजन; नवल विजय सुपसायथी रे लाल, चतुरने मंगल माल रे भविकजन....भाव.५.</p> <p>कलश इम वीर जिनवर सयल सुखकर, गायो अति उलट भरे; अषाढ उज्ज्वल दशमी दिवसे, संवत अढार अद्वोतरे. बीज महिमा एम वर्णव्यो, रही सिद्धपुर चोमास ए, जेह भविक भावे सुणे गावे, तस घर लील विलास ए.१.</p> <p>बीज तिथि स्तुति अजुवाली ते बीज सोहावे रे, चंदा रूप अनुपम भावे रे; चंदा विनतडी चित्त धरजो रे, सीमंधरने वंदणा कहेजो रे.१.</p>	<p>sumati nātha jina deva; sāre seva. bhavi.; enī tithe jinajī taṇā suṇa., kalyāṇaka pañca sāra; bhavano pāra. bhavi.5. dhāla-2 jagapati jina coviśamo re lāla, e bhākhyo adhikāra re bhavikajana; śrenīka āde sahu malyā re lāla, śakti taṇe anusāra re bhavikajana bhāva dharine sāmbhalo re lāla. .1. doya varasa doya māsanī re lāla, ārādho dhari khanta re bhavikajana; ūjamaṇu vidhiśu karo re lāla, bijā te mukti mahanta re bhavikajana.bhāva.2. mārga mithyā dūre tajo re lāla, ārādho guṇa thoka re bhavikajana; vīrani vāṇī sāmbhalī re lāla, ucharaṇga thayā bahu loka re bhavikajana. bhāva.3. enī bije keī taryā re lāla, valī taraśe keī śeṣa re bhavikajana; śāsi nidhi anumāna thi re lāla, saīlā nāgadhara eṣa re bhavikajana.bhāva.4. aṣāḍa śudi daśamī dine re lāla,</p>
---	---

वीश विहरमाण जिनने वंदो रे, जिन शासन पूजी आणंदो रे;
चंदा एटलुं काम मुज करजो रे, श्री सीमंधरने वंदणा कहेजो रे.
.२.

श्री सीमंधर जिननी वाणी रे, ते तो पीतां अमीय समाणी रे;
चंदा तुमे सुणी अमने सुणावो रे, भव संचित पाप गमावो रे. ३.
श्री सीमंधर जिननी सेवा रे, जिन शासन भासन मेवा रे;
तुमे होजो संघना त्राता रे, मृग लंछन चंद्र विख्यातां रे. ४.

बीज तिथि सज्जाय

बीज कहे भव्य जीवने रे लो, निसुणो आणी उमंग रे सुगुण नर;
सुकृत करणि खेतमां रे लो, वावो समकित बीज रे सुगुण नर.
धरज्यो धर्मस्युं प्रितडी रे लो, करी निश्चे व्यवहार रे सुगुण नर.
इहभवे परभवे भवोभवे रे लो,

होवे ज्युं जग जयकार रे सुगुण नर. धरज्यो. १.
किरिया ते खातर नांखीये रे लो, समता दीजे खेड रे सुगुण नर;
उपशम नीरे सिंचजो रे लो,

e gāyo stavana rasāla re bhavikajana;
navala vijaya supasāyathī re lāla,
caturane maṅgala māla re bhavikajana. bhāva. ५.
kalāśa

ima vīra jinavara sayala sukhakara, gāyo ati ulāta bhare;
aśāda ujjvala daśamī divase, samvata adhāra atthotare.
bija mahimā ema varṇavyo, rahi siddhapura comāsa e,
jeha bhavika bhāve sunē gāve, tasa ghara līla vilāsa e. १.

bīja tithi stuti

ajuvālī te bīja sohāve re, candā rūpa anupama bhāve re;
candā vinataḍī citta dharajo re, śīmaṇḍharane vandaṇā kahejo re. १.
viśa viharamāṇa jinane vando re, jina sāsana pūjī āṇando re;
candā etaluऽ kāma muja karajo re, śrī śīmaṇḍharane vandaṇā kahejo re. २.
śrī śīmaṇḍhara jinānī vāṇī re, te to pīṭāऽ amiya samānī re;
candā tume sunī amane sunāvo re, bhava sañcita pāpa gamāvo re. ३.

ऊगे ज्युं समकित छोड रे सुगुण नर. ... धरज्यो.२.
वाडी करो संतोषनी रे लो, तस पाविली चिहुं छोर रे सुगुण नर;
ब्रत पच्चक्खाण चोकी ठवो रे लो,

वारे युं कर्मना चोर रे सुगुण नर. ... धरज्यो.३.
अनुभव केरे फुलडे रे लो, मोह हरे समकित वृक्ष रे सुगुण नर;
श्रुत चारित्र फल ऊतरे रे लो,

ते फल चाखो शिक्षरे सुगुण नर. ... धरज्यो.४.
ज्ञानामृत रस पीजिये रे लो, खाद ल्यो साम्य तांबूल रे सुगुण नर;
इण रसे संतोष पामशो रे लो,

लहे ए भवनिधि फूल रे सुगुण नर. ... धरज्यो.५.
इण विध बीज तुमे सद्धो रे लो, छांडी राग ने द्वेष रे सुगुण नर;
केवल कमला पामीये रे लो,

वरिये मुक्ति विवेक रे सुगुण नर. ... धरज्यो.६.
समकित बीज ते सद्धे रे लो, ते टाले नरक निगोद रे सुगुण नर;
विजय लघ्बि सदा लहे रे लो,

❖ नित नित विविध बिनोद रे सुगुण नर. ... धरज्यो.७.

sri simandhara jinanī sevā re, jina sāsana bhāsana mevā re;
tume hojo saṅghanā trātā re, mrga lañchana candra vikhyatā_ re..... 4.

bija tithi sajjhāya

bija kahe bhavya jīvane re lo, nisuṇo āṇī umāṅga re suguṇa nara;
sukṛta karaṇi khetamā_ re lo, vāvo samakita bija re suguṇa nara.
dharajyo dharmasyu_ pritaḍī re lo, karī niśce vyavahāra re suguṇa nara.
ihabhave parabhavे bhavobhave re lo,

hove jyu_ jaga jayakāra re suguṇa nara. dharajyo.1.
kiryā te khātara nā_ khīye re lo, samatā dije kheda re suguṇa nara;
upaśama nīre siñcajo re lo,

ūge jyu_ samakita choda re suguṇa nara. dharajyo.2.
vāḍī karo santoṣanī re lo, tasa pāvīlī cihu_ chora re suguṇa nara;
vrata paccakkhaṇa cokī ṭhavo re lo,

vāre yu_ karmanā cora re suguṇa nara. dharajyo.3.
anubhāva kere phulaḍe re lo, moha ḥare samakita vṛkṣa re suguṇā nara;

पंचमी तिथि चैत्यवंदन

श्यामल वान सोहामण्, श्री नेमि जिनेश्वर;
 समवसरण बेठा कहे, उपदेश सोहंकर. १.
 पंचमी तप आराधतां, लहे पंचम नाण;
 पांच वरस पंच मासनो, ए छे तप परिमाण. २.
 जिम वरदत्त गुणमंजरी ए, आराध्यो तप एह;
 ज्ञान विमल गुरु एम कहे, धन धन जगमां तेह. ३.

पंचमी तिथि स्तवन

प्रणमो पंचमी दिवसे ज्ञानने, गाजे जगमां जेह सुज्ञानी;
 शुभ उपयोगे क्षणमां निर्जरे, मिथ्या संचित खेह सुज्ञानी....प्रणमो. १.
 संत पदादिक नव द्वारे करी, मति अनुयोग प्रकाश सुज्ञानी;
 नव व्यवहर आवरण क्षय करी, ♦♦♦

śruta cāritra phala ūtare re lo,
 te phala cākho śikṣare suguṇa nara. dharajyo.4.
 jñānāmṛta rasa pījiye re lo, svāda lyo sāmya tāmbūla re suguṇa nara;
 iṇa rase santosa pāmaśo re lo,
 lahe e bhavanidhi phūla re suguṇa nara. dharajyo.5.
 iṇa vidha bīja tume saddaho re lo, chāṇḍī rāga ne dvesha re suguṇa nara;
 kevala kamalā pāmiye re lo,
 variye mukti viveka re suguṇa nara.
 dharajyo.6.
 samakita bīja te saddahe re lo, te ṭāle naraka nigoda re suguṇa nara;
 vijaya labdhi sadā lahe re lo,
 nita nita vividha vinoda re suguṇa nara. dharajyo.7.

pañcamī tithi caityavandana

syāmala vāna sohāmaṇu, śrī nemi jīvesvara; ♦♦♦

एकादशी तिथि

चैत्यवंदन

अज्ञानी ज्ञान उल्लास सुज्ञानी. . . प्रणमो.२.
 एकादशीज्ञानस्तथाकिरय कहे, दो नय प्रभुजीने सत्य सुज्ञानी;
 एकादशीमूर्खिश्चेतुष्मियोगथी, ए सर्व प्राणीने नित्य सुज्ञानी. . . प्रणमो.३.
 एकादशीधित्विमुहूर्त लघु पणे, छासठ सागर जिडु सुज्ञानी;
 अधिकारी मरभव बहु विध जीवने,
 मनोरमा सती सज्जाय

अज्ञानी ज्ञान उल्लास सुज्ञानी. . . प्रणमो.२.
 एकादशीज्ञानस्तथाकिरय कहे, दो नय प्रभुजीने सत्य सुज्ञानी;
 एकादशीमूर्खिश्चेतुष्मियोगथी, ए सर्व प्राणीने नित्य सुज्ञानी. . . प्रणमो.३.
 एकादशीधित्विमुहूर्त लघु पणे, छासठ सागर जिडु सुज्ञानी;
 अधिकारी मरभव बहु विध जीवने,
 मनोरमा सती सज्जाय

अंतर कदीए न दीठ सुज्ञानी. . . प्रणमो.४.

प्रसन्नबृंद राजर्षि
 सप्रात समय एक बे पामता, होय अथवा नवि होय सुज्ञानी;
 सज्जाय
 क्षेत्र पल्यापम भाग असंख्यमां,
 धोबडा सज्जाय

जग सपना सज्जाय प्रदेश माने बहु जोय सुज्ञानी. . . प्रणमो.५.
 अप्तिज्ञानसञ्ज्ञा जीव असंख्य छे, कह्या पडिवाइ अनंत सुज्ञानी;
 अर्थात्ताशास्त्रज्ञाय वारजो ज्ञाननी,

अध्यात्म सज्जाय विजय लक्ष्मी लहो संत सुज्ञानी. . . प्रणमो.६.
 अध्यात्म सज्जाय

पंचमी तिथि स्तुति

श्रावण सुदि दिन पंचमी ए, जन्मीया नेमि जिणंद तो;
 श्याम वरण तनु शोभतुं ए, मुख शारदको चन्द तो.

samavasaraṇa bēṭhā kahe, upadeśa sohaṅkara. 1.
 pañcamī tapa ārādhataṁ, lahe pañcama nāṇa;
 pāñca varasa pañca māsano, e che tapa parimāṇa. 2.
 jima varadatta guṇamañjari e, ārādhyo tapa eha;
 jñāna vimala guru ema kahe, dhana dhana jagamāṁ teha. 3.

pañcamī tithi stavana

praṇamo pañcamī divase jñānanane, gāje jagamāṁ jeha sujñānī;
 śubha upayoge kṣaṇamāṁ nirjare, mithyā sañcita kheha sujñānī.
 praṇamo.1.

santa padādika nava dvāre kari, mati anuyoga prakāśa sujñānī;
 nava vyavahāre āvaraṇa kṣaya kari,
 ajñānī jñāna ullāsa sujñānī.

praṇamo.2.

jñānī jñāna lahe niścaya kahe, do naya prabhujīne satya sujñānī; ♦

सहस वरस प्रभु आउखुं ए, ब्रह्मचारी भगवंत तो;
 अष्ट करम हेले हणी ए, पहोंता मुक्ति महंत तो. १.
 अष्टापद पर आदि जिन ए, पहोंता मुक्ति मोझार तो;
 वासुपूज्य चम्पापुरी ए, नेम मुक्ति गिरनार तो.
 पावापुरी नगरीमां वली ए, श्री वीरतणुं निर्वाण तो;
 समेत-शिखर वीश सिद्ध हुआ ए, शिर वहुं तेहनी आण तो. २.
 नेमिनाथ ज्ञानी हुआ ए, भाखे सार वचन तो;
 जीवदया गुण वेलडी ए, कीजे तास जतन तो.
 मृषा न बोलो मानवी ए, चोरी चित्त निवार तो;
 अनन्त तीर्थकर एम भणे ए, परिहरीए परनार तो. ३.
 गोमेध नामे जक्ष भलो ए, देवी श्री अम्बिका नाम तो;
 शासन सान्निध्य जे करे ए, करे वली धर्मनां काम तो.
 तपगच्छ नायक गुणनीलो ए, श्री विजय सेन सूरिराय तो;
 ऋषभदास पाय सेवतां ए, सफल करो अवतार तो. ४.

*antara mūhūrta rahe upayogathī, e sarva prāṇīne nitya sujñānī. praṇamo.3.
 labdhi antara muhūrta laghu paṇe, chāsattha sāgara jitṛṭha sujñānī;
 adhiko narabhava bahu vidha jīvane,*
antara kadīe na dīṭha sujñānī. praṇamo.4.
samprati samaye eka be pāmatā, hoyo athavā navi hoyo sujñānī;
kṣetra palyopama bhāga asaṅkhyamā᳚,
pradeśa māne bahu joya sujñānī.
 praṇamo.5.
matijñāna pāmyā jīva asaṅkhya che, kahyā paḍivāi ananta sujñānī;
sarva āśātanā vārajo jñānanā,
vijaya lakṣmī laho sānta sujñānī.
 praṇamo.6.
pañcamī tithi stuti

śrāvaṇa sudi dina pañcamī e, janamīyā nemi jiṇanda to;
śyāma varāṇa tanu śobhatu᳚ e, mukha śāradako canda to.

पंचमी तिथि सज्जाय

सद्गुरुना हुं प्रणमी पाय, सरस्वती स्वामिनी करो पसाय;
 पंचमी तप फल महिमा तुमे सुणो, जे करतां जग शोभा घणो.१.
 ज्ञान अथाग वधे वली जेह, पंचम ज्ञान लहे भवि तेह;
 पंचम गति पामे सुखसार, एह संसारनो पामे पार.२.
 सोल रोग तत्क्षण उपशमे, तेउकाय जिम शीतने दमे;
 तिम ए तप छे रोगनो काल, जुओ वरदत्त गुणमंजरी बाल.३.
 पंच वर्ष ने पंच ज मास, करीए तप मनने उल्लास;
 अंते ऊजमणुं कीजिए, पोते तपनुं फल लीजिए.४.
 ऊजमणा विण फल ते नहि, इम ए वाणी जिनवर कही;
 श्री विजय रत्न तणो ए शिष्य, वाचक देवनी पूरो जगीश.५.

अष्टमी तिथि चैत्यवंदन

आठ त्रिगुण झऱ्हट जिनवर तणी, नित्य कीजे सेवा;

sahasa varasa prabhu āukhu^o e, brahmacārī bhagavanta to;
 aṣṭa karama hele haṇī e, pahoङ्गtā mukti mahanta to. 1.
 aṣṭāpada para ādi jina e, pahoङ्गtā mukti mojhāra to;
 vāsupūjya campāpuri e, nema mukti giranāra to.
 pāvāpuri nagarimā^o valī e, śrī vīrataṇu^o nirvāṇa to;
 sameta-śikhara vīśa siddha huā e, śira vahu^o tehani āṇa to. 2.
 neminātha jñānī huā e, bhākhe sāra vacana to;
 jīvadayā guṇa velaḍī e, kīje tāsa jatana to.
 mṛṣā na bolo mānavī e, corī citta nivāra to;
 ananta tīrthaṅkara ema bhaṇe e, parihaře paranāra to. 3.
 gomedha nāme jakṣa bhalo e, devī śrī ambikā nāma to;
 sāsana sānnidhya je kare e, kare valī dharmanā^o kāma to.
 tapagaccha nāyaka guṇāilo e, śrī vijaya sena sūrirāya to;
 ḫsabhadāsa pāya sevatā^o e, saphala karo avatāra to. 4.

वहाली मुजमन अति घणी, जेम गज मनरेवा.	१.
प्रातिहारज आठशुं, ठकुराइ छाजे;	
आठे मंगल आगले, जेहने वली राजे.	२.
भांजे भय आठ मोटका ए, आठ कर्म करे दूर;	
आठम दिन आराधतां, ज्ञान विमल भरपूर.	३.

अष्टमी तिथि स्तवन

ढाल-१

श्री राजगृही शुभ ठाम, अधिक दिवाजे रे;	
विचरंता वीर जिणंद, अतिशय छाजे रे.	
चोत्रीश अने पांत्रीश, वाणी गुण लावे रे,	
पाउं धार्या वधामणी जाय, श्रेणिक आवे रे.	१.
तिहां चोसठ सुरपति आवी, त्रिगडुं बनावे रे;	
तेमां बेसीने उपदेश, प्रभुजी सुणावे रे.	
सुर नर ने तिर्यच, निज निज भाषा रे;	

pañcamī tithi sajjhāya

sadgurunā huo praṇamī pāya, sarasvatī svāminī karo pasāya;
pañcamī tapa phala mahimā tume suṇo, je karatāo jaga śobhā ghaṇo.... .1.
jñāna athāga vadhe valī jeha, pañcama jñāna lahe bhavi teha;
pañcama gati pāme sukhasāra, eha sansārano pāme pāra.2.
sola roga tatkṣaṇa upaśame, teukāya jima sītane dame;
tima e tapa che rogano kāla, juo varadatta gunamañjari bāla.3.
pañca varṣa ne pañca ja māsa, karie tapa manane ullāsa;
ante ūjamaṇuo kījie, pote tapanuo phala lījie.4.
ūjamaṇā viṇa phala te nahi, ima e vāṇī jinavara kahī;
sri vijaya ratna taṇo e śisya, vācaka devanī pūro jagīsa.5.

aṣṭamī tithi caitiyavandana

āṭha triguṇa [24] jinavara taṇī, nitya kīje sevā;

तिहां समजीने भवतीर, पामे सुख खासा रे. २.
 तिहां इन्द्रभूति गणधार, श्रीगुरु वीरने रे;
 पूछे अष्टमीनो महिमाय, कहो प्रभु अमने रे.
 तव भाखे वीर जिणंद, सुणो सहु प्राणी रे;
 आठम दिन जिननां कल्याण, धरो चित्त आणी रे. ३.

ढाल-२

श्री ऋषभनुं जन्म-कल्याण रे, वली चारित्र लहयुं भले वाण रे;
 त्रीजा सम्भवनुं च्यवन कल्याण.
 भवि तुमे अष्टमी तिथि सेवो रे, ए छे शिव-वधू वरवानो मेवो.
 भवि.१.
 श्री अजित-सुमति नमि जन्म्या रे, अभिनंदन शिवपद पाम्या रे;
 जिन सातमा च्यवन दीपाव्या. भवि.२.
 वीशमा मुनिसुव्रत स्वामी रे, जेहनो जनम होय गुण धामी रे;
 बावीसमा शिव विसरामी. भवि.३.
 पारसनाथजी मोक्ष महंता रे, इत्यादिक जिन गुणवन्ता रे;
 कल्याणक मुख्य कहन्ता. भवि.४.
 श्री वीर जिणंदनी वाणी रे, निसुणी समज्या भवि प्राणी रे;

vahālī mujamana ati ghañī, jema gaja manarevā. 1.
 prātiḥāraja āṭhaśu, ṭhakurāi chāje;
 āṭhe maṅgala āgale, jehane valī rāje. 2.
 bhāñje bhaya āṭha moṭakā e, āṭha karma kare dūra;
 āṭhamā dina ārādhata, jñāna vimala bharapūra. 3.

aṣṭamī tithi stavana

dṛḍhāla-1

sri rājagrīḥī śubha ṭhāma, adhika divāje re;
 vicarantā vīra jīnanda, atisaya chāje re.
 cotrīśa ane pāntrīśa, vāṇī guṇa lāve re,
 pāu, dhāryā vadhamānī jāya, śrenīka āve re. 1.
 tihā, cosaṭha surapati āvī, trigadu, banāve re;
 temā, besīne upadeśa, prabhuji sunāve re.
 sura nara ne tiryāñca, nija nija bhāṣā re;
 tihā, samajīne bhavatīra, pāme sukha khāsā re. 2.

आठम दिन अति गुण खाणी....भवि.५.
अष्ट कर्म ते दूर पलाय रे, एथी अड-सिद्धि अड-बुद्धि थाय रे;
ते कारण सेवो चित्त लाय.भवि.६.
श्री उदय सागर सूरिराया रे, गुरु शिष्य विवेके ध्याया रे;
तस न्याय सागर गुण गाया.भवि.७.

अष्टमी तिथि स्तुति

चोवीशे जिनवर हुं प्रणमुं नित्यमेव,
आठम दिन करीए चंद्र प्रभुजीनी सेव;
मूर्ति मनमोहन जाणे पूनम चंद,
दीठे दुःख जाये पासे परमानंद.१.
मली चोसठ इंद्र पूजे प्रभुजीना पाय,
इंद्राणी अपच्छरा कर जोडी गुण गाय;
नंदीसर द्वीपे मली सुरवरनी कोड,
अट्ठाइ महोत्सव करे ते होडाहोड.२.

tihā० indrabhūti gaṇadhāra, śrīguru vīrane re;
pūche aṣṭamīno mahimāya, kaho prabhu amane re.
tava bhākhe vīra jīnānda, suṇo sahu prāṇī re;
āṭhama dina jīnanā० kalyāṇa, dharo citta āṇī re.3.

dhāla-2

sri ṥabhanu० janma-kalyāṇa re, valī cāritra lahyu० bhale vāṇa re;
trījā sambhavanu० cyavana kalyāṇa.
bhavi tume aṣṭamī tithi sevo re, e che śiva-vadhū varavāno mevo... bhavi.1.
sri ajita-sumati nami janmyā re, abhinandana śivapada pāmyā re;
jīna sātamā cyavana dīpāvyā.bhavi.2.
vīśamā munisvrata svāmī re, jehano janama hoyā guṇa dhāmī re;
bāvīsamā śiva visarāmī.
bhavi.3.
pārasanāṭhajī mokṣa mahantā re, ityādika jīna guṇavantā re;
kalyāṇaka mukhya kahantā.bhavi.4.
sri vīra jīnāndanī vāṇī re, nisunī samajyā bhavi prāṇī re;
āṭhama dina ati guṇa khāṇī.

शेत्रुंजा शिखरे जाणी लाभ अपार,
चोमासुं रहीया गणधर मुनि परिवार;
भवियणने तारे देइ धर्म उपदेश,
दूध साकरथी पण वाणी अधिक विशेष. . . ३.
पोसह पडिक्कमणुं करीए व्रत पच्चक्खाण,
आठम दिन करीए अष्ट कर्मनी हाण;
अष्ट मंगल थाये दिनदिन क्रोड कल्याण,
एम सुख-सूरि कहे जीवित जन्म प्रमाण. . . ४.

अष्टमी तिथि सज्जाय

अष्टकर्म चूरण करी रे लाल, आठ गुणे प्रसिद्ध मेरे प्यारे रे;
क्षायिक समकितना धणी रे लाल,
वंदुं वंदुं एवा सिद्ध मेरे प्यारे रे. . . अष्ट.१.
अनंत ज्ञान दर्शन धरा रे लाल, चोथुं वीर्य अनंत मेरे प्यारे रे;
अगुरु लघु सुखमय कट्ट्या रे लाल,

bhavi.5.
aṣṭa karma te dūra palāya re, ethī ada-siddhi ada-buddhi thāya re;
te kāraṇa sevo citta lāya.
bhavi.6.
śrī udaya sāgara sūrirāyā re, guru śisya viveke dhyāyā re;
tasa nyāya sāgara guṇa gāyā. bhavi.7.
aṣṭamī tithi stuti

covīśe jinavara huo prañamuo nityameva,
āṭhama dina karie candra prabhujīnī seva;
mūrti manamohana jāne pūnama canda,
dīthe duḥkha jāye pāme paramānanda..1.
malī cosaṭha indra pūje prabhujīnā pāya,
īndrānī apaccharā kara jodī guṇa gāya;
naṇḍisara dvīpe malī suravaranī koda,

अव्याबाध महंत मेरे प्यारे रे.... अष्ट .२.
जेहनी काया जेहवी रे लाल, उणी त्रीजे भाग मेरे प्यारे रे;
सिद्ध शिलाथी जेमणे रे लाल, अवगाहना वीतराग मेरे प्यारे.
अष्ट .३.
सादि अनंता तिहां घणा रे लाल, समय समय तेह जाय मेरे
प्यारे रे;
मंदिर मांहि दीपालिका रे लाल,
सघला तेज समाय मेरे प्यारे रे... अष्ट .४.
मानव भवथी पामिये रे लाल, सिद्धि तणां सुख संग मेरे प्यारे रे;
एहनुं ध्यान सदा धरो रे लाल,
एम बोले भगवति अंग मेरे प्यारे रे... अष्ट .५.
श्री विजय देव पट्टधरु रे लाल,
श्री विजय सेन सूरीश मेरे प्यारे रे;
सिद्धतणा गुण ए कह्या रे लाल,
देव दीए आशिष मेरे प्यारे रे... अष्ट .६.

atthāi mahotsava kare te hoḍāhoda.
.2.
śetruñjā śikhare jāṇī lābha apāra,
comāsuऽ rahiyā gaṇadhara muni parivāra;
bhaviyanane tāre dei dharma upadeśa,
dūdha sākarathī paṇa vāṇī adhika viśeṣa. .3.
posaha padikkamaṇuऽ karie vrata paccakkhāṇa,
āṭhama dina karie aṣṭa karmanī hāṇa;
aṣṭa maṅgala thāye dinadina kroḍa kalyāṇa,
ema sukha-sūri kahe jīvita janma pramāṇa..4.

aṣṭamī tithi sajjhāya

aṣṭakarma cūraṇa kari re lāla, āṭha guṇe prasiddha mere pyāre re;
kṣayika samakitanā dhaṇī re lāla,
vanduऽ vanduऽ evā siddha mere pyāre re.aṣṭa.1.

<p>एकादशी तिथि चैत्यवंदन</p> <p>आज ओच्छव थयो मुज घरे, एकादशी मंडाण; श्री जिननां त्रणसे भलां, कल्याणक वर जाण. १.</p> <p>सुरतरु सुरमणि सुरघट, कल्पवेली फली म्हारे; एकादशी आराधतां, बोधि बीज वित्त ठारे. २.</p> <p>नेमि जिनेश्वर पूजतां ए, पहोंचे मनना कोड; ज्ञान विमल गुणथी लहो, प्रणमो बे करजोड. ३.</p> <p>एकादशी तिथि स्तवन</p> <p>पंचम सुर लोकना वासी रे, नव लोकांतिक सुविलासी रे; करे विनाति गुणनी राशि. मल्लि जिन नाथजी व्रत लीजे रे, भवि जीवने शिवसुख दीजे. १.</p> <p>तमे करुणा रस भंडार रे, पाम्या छो भवजल पार रे; सेवकनो करो उद्घार. ... मल्लि. २.</p>	<p>ananta jñāna darśana dharā re lāla, cothuऽ्विर्या ananta mere pyāre re; aguru laghu sukhamaya kahyā re lāla, avyābādha mahanta mere pyāre re.</p> <p>aṣṭa.2.</p> <p>jehanī kāyā jehavī re lāla, uṇī trije bhāga mere pyāre re; siddha śilāthī jemaṇe re lāla, avagāhanā vitarāga mere pyāre. aṣṭa.3.</p> <p>sādi anantā tihāऽ् ghaṇā re lāla, samaya samaya teha jāya mere pyāre re; mandira māऽhi dīpālikā re lāla, saghalā teja samāya mere pyāre re.</p> <p>aṣṭa.4.</p> <p>mānava bhavathī pāmiye re lāla, siddhi taṇāऽ् sukha saṅga mere pyāre re; ehanuऽ् dhyāna sadā dharo re lāla, ema bole bhagavati aṅga mere pyāre re.</p> <p>aṣṭa.5.</p> <p>śrī vijaya deva paṭṭadharu re lāla, śrī vijaya sena sūriśa mere pyāre re;</p>
--	--

प्रभु दान संवत्सरी आपे रे, जगनां दारिद्र दुःख कापे रे;
भव्यत्व पणे तस स्थापे.... मल्लि.३.
सुरपति सघला मली आवे रे, मणि रयण सोवन वरसावे रे;
प्रभु चरणे शीश नमावे... मल्लि.४.
तीर्थोदक कुंभा लावे रे, प्रभुने सिंहासन ठावे रे;
सुरपति भगते नवरावे. मल्लि.५.
वस्त्राभरणे शणगारे रे, फूलमाला हृदय पर धारे रे;
दुःखडां इंद्राणी उवारे. ... मल्लि.६.
मल्या सुर नर कोडा कोडी रे, प्रभु आगे रह्या कर जोडी रे;
करे भक्ति युक्ति मद मोडी... मल्लि.७.
मृगशिर शुदिनी अजुआली रे, एकादशी गुणनी आली रे;
वर्या संयम वधु लटकाली रे... मल्लि.८.
दीक्षा कल्याणक एह रे, गातां दुःख न रहे रेह रे;
लहे रूप विजय जस नेह... मल्लि.९.

siddhatañā guna e kahyā re lāla,
deva dīe āśiṣa mere pyāre re.
aṣṭa.6.

ekādaśī tithi caityavandana

āja occhava thayo muja ghare, ekādaśī maṇḍāṇa;
śrī jinanāṄ tranase bhalāṄ, kalyāṇaka vara jāṇa.1.
surataru suramaṇi suraghaṭa, kalpavelī phalī mhāre;
ekādaśī ārādhataṄ, bodhi bija citta ṭhāre.2.
nemi jineśvara pūjatāṄ e, pahoṄce mananā koḍa;
jñāna vimala guṇathī laho, pranamo be karajoda.3.

ekādaśī tithi stavana

pañcama sura lokanā vāsi re, nava lokāṇtika suvilāsi re;

एकादशी तिथि स्तुति

अरस्य प्रव्रज्या नमि-जिनपते-ज्ञान-मतुलं,
तथा मल्ले-जन्म-व्रत-मपमलं केवलमलम्;
वल-क्षैकादश्यां सहसिल-सदुद्वाम-महसि,
क्षितौ कल्याणानां क्षपति विपदः पंचक-मदः १.
सुपर्वन्द्र श्रेण्याग-मनगमनै-भूमि-वलयं,
सदा-स्वर्गत्या-वाहमह-मिक्या-यत्र-सलयम्;
जिनाना-मप्यापुः क्षणमति-सुखं नारक-सदः,
क्षितौ कल्याणानां क्षपति विपदः पंचकमदः २.
जिना-एवं यानि-प्रणिजग-दुरात्मीय समये,
फलं-यत्कर्तृणा-मिति च विदितं शुद्ध-समये;
अनिष्टा-रिष्टानां-क्षिति-रनुभवेयु-र्बहुमुदः,
क्षितौ कल्याणानां क्षपति विपदः पंचकमदः ३.
सुराः सेन्द्राः सर्वे सकल-जिनचन्द्र-प्रमुदिता-,
स्तथा च ज्योतिष्ठा-खिल भवननाथा-समुदिताः;
तपो यत्कर्तृणां-विदधति सुखं विस्मित-हृदं,

kare vinati guṇanī rāśi.
malli jina nāthajī vrata līje re, bhavi jīvane śivasukha dīje. 1.
tame karuṇā rasa bhanḍāra re, pāmyā cho bhavajala pāra re;
sevakano karo uddhāra.
malli.2.
prabhu dāna samvatsari āpe re, jaganā_० dāridra duḥkha kāpe re;
bhavyatva paṇe tasa sthāpe.
malli.3.
surapati saghalā malī āve re, maṇi rayāṇa sovana varasāve re;
prabhu carane śīśa namāve.
malli.4.
tīrthodaka kumbhā lāve re, prabhune si_०hāsana ṭāve re;
surapati bhagate navarāve.
malli.5.
vastrābharaṇe śāṇagāre re, phūlamālā hṛdaya para dhāre re;
duḥkhaḍā_० iṇdrāṇī uvāre.

क्षितौ कल्याणानां क्षपति विपदः पंचकमदः	8.
एकादशी तिथि सज्जाय	
आज म्हारे एकादशी रे, नणदल मौन करी मुख रहीए;	
पूछ्यानो पडुत्तर पाछो, कोइने कांइ न कहीए.	आज .१.
म्हारो नणदोइ तुजने व्हालो, मुजने त्वारो वीरो;	
धुमाडाना बाचका भरतां, हाथ न आवे हीरो.	आज .२.
घरनो धंधो घणो कर्यो पण, एक न आव्यो आडो;	
परभव जातां पालव झाले, ते मुजने देखाडो.	आज .३.
मागसर सुदि अगीयारश म्होटी, नेवुं जिननां निरखो;	
दोढसो कल्याणक म्होटां, पोथी जोइ जोइने हरखो.	आज .४.
सुव्रत शेठ थयो शुद्ध श्रावक, मौन धरी मुख रहीयो;	
पावक पुर सघलो परजाल्यो, एहनो कांइ न दहीयो.	आज .५.
आठ पहोर नो पोसह करीने, ध्यान प्रभुनुं धरीए;	
मन वच काया जो वश करीए, तो भव सागर तरीए.	आज .६.
इर्या-समिति भाषा न बोले, आडुं अवलुं पेखे;	

malli.6.

malyā sura nara kodā kodī re, prabhu āge rahyā kara jodī re;
kare bhakti yucti mada modī.

malli.7.

mṛgaśira śudinī ajuālī re, ekādaśī guṇanī ālī re;
varyā sañyama vadhu laṭakālī re.

malli.8.

dīkṣā kalyāṇaka eha re, gātā^१ duḥkha na rahe reha re;
lahe rūpa vijaya jasa neha.

malli.9.

ekādaśī tithi stuti

arasya pravrajyā nami-jinapater-jñāna-matulam,
tathā maller-janma-vrata-mapamalam kevala-malam;
vala-kṣaikāda-syām sahasila-saduddāma-mahasi,
kṣitau kalyāṇānām kṣapati vipadaḥ pañcaka-madaḥ. 1.

पडिकमणा शुं प्रेम न राखे, कहो किम लागे लेखे. आज.७.
 कर उपर तो माला फिरती, जीव फरे वन मांही;
 चित्तदुङ् तो चिहुं दिशिये दोडे, इण भजने सुख नांही. आज.८.
 पौष्ठशाले भेगां थइने, चार कथा वली सांधे;
 कांइक पाप मिटावण आवे, बार गणुं वली बांधे. आज.९.
 एक ऊठंती आलस मरडी, बीजी ऊंधे बेठी;
 नदीओमांथी कांइ निसरती, जड़ दरीयामां पेठी. आज.१०.
 आइ बाइ नणंद भोजाइ, न्हानी मोटी वहुने;
 सासु ससरो मा ने मासी, शिखामण छे सहुने. आज.११.
 उदय रतन वाचक उपदेशे, जे नर नारी रहेशे;
 पोसा मांहे प्रेम धरीने, अविचल लीला लहेशे. आज.१२.

मनोरमा सती सज्जाय

मोहनगारी मनोरमा, शोठ सुदर्शन नारी रे;
 शील प्रभावे शासन सुरी, थई जस सानिध्य कारी रे. मोहन.१.
 दधिवाहन नृपनी प्रिया, अभया दीए कलंक रे;

suparvendra śrenyāga-mana-gamanair-bhūmi-valayam,
 sadā-svargatyā-vāhamaha-mikayā-yatra-salayam;
 jinānā-mapyāpuḥ kṣaṇa-mati-sukham nāraka-sadah,
 kṣitau kalyāṇānām kṣapati vipadaḥ pañcaka-madaḥ. 2.
 jinā-evam yāni-prañijaga-durātmīya samaye,
 phalam-yat-kartṛṇā-miti ca viditam śuddha-samaye;
 aniṣṭā-riṣṭānām-kṣiti-ranubhaveyur-bahumudah,
 kṣitau kalyāṇānām kṣapati vipadaḥ pañcaka-madaḥ. 3.
 surāḥ sendrāḥ sarve sakala-jina-candra-pramuditās-,
 tathā ca jyotiṣkā-khila bhavana-nāthā-samuditāḥ;
 tapo yat-kartṛṇām-vidadhāti sukham vismita-hṛdam,
 kṣitau kalyāṇānām kṣapati vipadaḥ pañcaka-madaḥ. 4.

ekādaśī tithi sajjhāya

āja mhāre ekādaśī re, naṇadala mauna karī mukha rahīe;
 pūchyāno paḍuttara pācho, koine kāmī na kahīe. āja.1.

कोप्यो चंपापति कहे, शूली रोपण वंक रे मोहन.२.
 ते निसुणीने मनोरमा, करे काउस्सग्ग धरी ध्यान रे;
 दंपती शील जो निर्मलुं, तो वधो शासन मान रे मोहन.३.
 शूली सिंहासन थई, शासन देवी हजूर रे;
 संयम ग्रही थयां केवली, दंपती दोय सनूर रे मोहन.४.
 ज्ञान विमल गुण शीलथी, शासन शोभ चढावे रे;
 सुर नर तस किंकरा, शिव सुंदरी ते पावे रे मोहन.५.

प्रसन्नचंद्र राजर्षि सज्जाय

प्रणमुं तुमारा पाय, प्रसन्नचंद्र प्रणमुं तुमारा पाय;
 राज छोडी रलीयामणुं रे, जाणी अथिर संसार.
 वैरागे मन वालीयुं रे, लीधो संयम भार. प्रसन्न.१.
 समशाने काउस्सग्ग रही रे, पग उपर पग चढाय;
 बाहु बे ऊंचा करी रे, सूरज सामी दृष्टि लगाय. प्रसन्न.२.
 दुर्मुख दूत वचन सुणी रे, कोप चड्यो तत्काल;
 मनशुं संग्राम मांडीओ रे, जीव पड्यो जंजाल. प्रसन्न.३.

mhāro nañadoi tujane vhālo, mujane thāro vīro;
 dhumādānā bācakā bharatā_o, hātha na āve hīro. āja.2.
 gharano dhan_dho ghaño karyo paña, eka na āvyo ādo;
 parabhava jātā_o pālava jhāle, te mujane dekhādo. āja.3.
 māgasara sudi agiyāraśa mhoṭī, nevu_o jinanā_o nirakho;
 doḍhaso kalyānaka mhoṭā_o, pothī joi joine harakho. āja.4.
 suvrata śetha thayo śuddha śrāvaka, mauna dhari mukha rahiyo;
 pāvaka pura saghalo parajālyo, ehano kā_oi na dahīyo. āja.5.
 ātha pahora no posaha karīne, dhyāna prabhunu_o dharīe;
 mana vaca kāyā jo vaśa karīe, to bhava sāgara tarīe. āja.6.
 iryā-samiti bhāṣā na bole, ādu_o avalu_o pekhe;
 padikamaṇā śu_o prema na rākhe, kaho kima lāge lekhe. āja.7.
 kara upara to mālā phirati, jīva phare vana mā_ohi;
 citta_o to cihu_o diśiye dode, iṇa bhajane sukha nā_ohi. āja.8.
 pauṣadhaśālē bhegā_o thaine, cāra kathā valī sāndhe;
 kā_oika pāpa miṭāvana āve, bāra gaṇu_o valī bāndhe. āja.9.
 eka ūṭhantī ālasa marađi, biji ūnghe beṭhi;
 nadīomā_othī kā_oi nisarati, jai dariyāmā_o peṭhi. āja.10.

श्रेणिक प्रश्न पूछे ते समे रे, स्वामी एहनी कुण गति थाय;
भगवंत कहे हमणां मरे रे, तो सातमी नरके जाय. प्रसन्न.४.
क्षण एक आंतरे पूछीयुं रे, सर्वरथ सिद्ध विमान;
वागी देवनी दुंदुभि रे, ऋषि पाम्या केवलज्ञान. प्रसन्न.५.
प्रसन्नचंद्र ऋषि मुगते गया रे, श्री महावीरना शिष्य;
रूप विजय कहे धन्य धन्य रे, दीठा जे प्रत्यक्ष. प्रसन्न.६.

धोबीडा सज्जाय

धोबीडा तुं धोजे मननुं धोतीयुं रे, रखे राखतो मेल लगार रे;
एणे रे मेले जग मेलो कर्यो रे, अणधोयुं न राख लगार रे.
धोबीडा.१.
जिनशासन सरोवर सोहामणुं रे, समकित तणी रुडी पाल रे;
दानादिक चारे बारणां रे, मांही नवतत्त्व कमल विशाल रे.
धोबीडा.२.
तिहां झीले मुनिवर हंसला रे, पीये छे तप जप नीर रे;
शम दम आदे जे शिला रे, तिहां पखाले आतम चीर रे.. धोबीडा.३.

āi bāi naṇanda bhojāi, nhānī moṭī vahune;
sāsu sasaro mā ne māsi, śikhāmaṇa che sahune..... āja.11.
udaya ratana vācaka upadeśe, je nara nārī raheśe;
posā mā_ohe prema dharine, avicala līlā laheśe. āja.12.

manoramā satī sajhhāya

mohanagārī manoramā, śeṭha sudarśana nārī re;
śīla prabhāve śāsana surī, thai jasa sānidhya kārī re. mohana.1.
dadhivāhana nrpanī priyā, abhayā dīe kalaṅka re;
kopyo campāpati kahe, sūlī ropaṇa vaṇka re. mohana.2.
te nisunīne manoramā, kare kāussagga dhari dhyāna re;
dampati śīla jo nirmalu, to vadho śāsana māna re. mohana.3.
sūlī siḥāsana thai, śāsana devī hajūra re;
sañyama grahi thayā kevalī, dampati doya sanūra re. mohana.4.
jñāna vimala guṇa śīlathī, śāsana śobha caḍhāve re;
sura nara tasa kiṅkarā, śiva sundari te pāve re. mohana.5.

तपवजे तप तडके करी रे, जालवजे नव ब्रह्म वाड रे;
छांटा उडाडे पाप अढारना रे,

एम ऊजलुं होशे ततकाल रे. . . धोबीडा.४.
आलोयण साबुडो सुधो करे रे, रखे आवे माया सेवाल रे;
निश्चे पवित्र पण्यं राखजे रे, पछे आपणा नियम संभाल रे.
धोबीडा.५.

रखे मूकतो मन मोकलुं रे, पड मेलीने संकेल रे;
समय सुंदरनी शीखडी रे, सुखडी अमृतवेल रे. धोबीडा.६.

जग सपना सज्जाय

जग सपनेकी माया, रे नर! जग सपनेकी माया.
सपने राज पाय कोउ रंक ज्युं, करत काज मन भाया;
उघरत नयन हाथ लख खप्पर, मन हुं मन पछताया. रे नर!.१.
चपला चमकार जिम चंचल, नर भव सूत्र बताया;
अंजलि जल सम जगपति जिनवर, आयु अथिर दरशाया. रे

prasannacandra rājarṣi sajjhāya

praṇamu_० tumārā pāya, prasanna-candra praṇamu_० tumārā pāya;
rāja chodī ralīyāmaṇu_० re, jāṇī athira sansāra.
vairāge mana vālīyu_० re, līdho sañyama bhāra. prasanna.1.
samaśāne kāussagga rahī re, paga upara paga caḍhāya;
bāhu be ūñcā kari_० re, sūraja sāmī dr̄sti lagāya. prasanna.2.
durmukha dūta vacana sunī re, kopa caḍyo tatkāla;
manaśu_० sañgrāma māṇḍīo re, jīva paḍyo jañjāla. prasanna.3.
śreṇika praśna pūche te same re, svāmī ehanī kuṇa gati thāya;
bhagavanta kahe hamaṇā_० mare re, to sātamī narake jāya. prasanna.4.
kṣaṇa eka āntare pūchīyu_० re, sarvāratha siddha vimāna;
vāgī devanī duṇḍubhi re, ṛṣi pāmyā kevala-jñāna. prasanna.5.
prasanna-candra ṛṣi mugate gayā re, śrī mahāvīranā śiṣya;
rūpa vijaya kahe dhanya dhanya re, dīthā je pratyakṣa. prasanna.6.

नर! .२.

यौवन संध्या राग रूप फुनि, मल मलिन अति काया;
 विणसत जास विलंब न रंचक, जिम तरुवरकी छाया. रे नर! .३.
 सरिता वेग समान ज्युं संपत्ति, स्वारथ सुत मित जाया;
 आमिष लुध्य मीन जिम तिन संग, मोह जाल बंधाया. रे नर! .४.
 ए संसार असार सार पिण, यामें इतना पाया;
 चिदानंद प्रभु सुमरन सेंति, धरीए नेह सवाया. रे नर! .५.

शीयल व्रत सज्जाय

शीयल समुं व्रत को नहीं, श्री जिनवर एम भाखे रे.
 सुख आपे जे शाश्वतां, दुर्गति पड़ता राखे रे. शीयल.१.
 व्रत पच्चक्षवाण विना जुओ, नव नारद जेह रे.
 एक ज शीयल तणे बले, गया मुक्ते तेह रे. शीयल.२.
 साधु अने श्रावक तणां, व्रत छे सुख-दायी रे.
 शीयल विना व्रत जाणजो, कुशका सम भाई रे. शीयल.३.
 तरुवर मूल विना जिर्यो, गुण विण लाल कमान रे.

dhobiḍā sajjhāya

dhobiḍā tu_० dhoje mananu_० dhotīyu_० re, rakhe rākhato mela lagāra re;
 eṇe re mele jaga melo karyo re, aṇadhou_० na rākha lagāra re. . dhobiḍā.1.
 jinaśāsana sarovara sohāmaṇu_० re, samakita taṇī rūḍī pāla re;
 dānādika cāre bāraṇā_० re, mā_०hi navatattva kamala viśāla re. ... dhobiḍā.2.
 tihā_० jhile munivara han_०salā re, piye che tapa japa nīra re;
 śama dama āde je śilā re, tihā_० pakhāle ātama cīra re. dhobiḍā.3.
 tapavaje tapa tādake kari_० re, jālavaje nava brahma vāda re;
 chā_०ṭā uḍāde pāpa adhāranā re,

ema ūjalu_० hośe tatakāla re.

dhobiḍā.4.

āloyaṇa sābuḍo sudho kare re, rakhe āve māyā sevāla re;
 niśce pavitra paṇu_० rākhaje re, pache āpaṇā niyama sambhāla re.
 dhobiḍā.5.

rakhe mūkato mana mokalu_० re, pada melīne saṅkela re;

शीयल विना ब्रत एहवुं, कहे वीर भगवान रे शीयल.४.
नववाडे करी निर्मलुं, पहेलुं शीयल ज धरजो रे.
उदय रत्न कहे ते पछी, ब्रतनो खप करजो रे. शीयल.५.

अध्यात्म सज्जाय

आशा औरनकी क्या कीजे, ग्यान सुधारस पीजे; आशा...
भटके द्वार द्वार लोकन के, कूकर आशाधारी;
आतम अनुभव रसके रसीया, ऊतरे न कबहुं खुमारी. आशा.१.
आशा दासीके जे जाये, ते जन जगके दासा;
आशा दासी करे जे नायक, लायक अनुभव प्यासा. आशा.२.
मनसा प्याला प्रेम मसाला, ब्रह्म अग्नि परजाली;
तन भाठी अवटाइ पिये कस, जागे अनुभव लाली. आशा.३.
अगम पीयाला पियो मतवाला, चीन्हे अध्यात्म वासा;
आनंद घन चेतन व्है खेले, देखे लोक तमासा. आशा.४.

samaya sundaranī sīkhađī re, sukhađī amṛtavela re. dhobiđā.6.

jaga sapanā sajjhāya

jaga sapanekī māyā, re nara! jaga sapanekī māyā.
sapane rāja pāya kou rañka jyuऽ, karata kāja mana bhāyā;
ugharata nayana hātha lakha khappara, mana huऽ mana pachatāyā. re nara!.1.
capalā camakāra jima cañcala, nara bhava sūtra batāyā;
añjali jala sama jagapati jinavara, āyu athira daraśāyā. re nara!.2.
yauvana sandhyā rāga rūpa phuni, mala malina ati kāyā;
viñasata jāsa vilamba na rañcaka, jima taruvarakī chāyā. re nara!.3.
saritā vega samāna jyuऽ sampatti, svāratha suta mita jāyā;
āmiṣa lubdha mīna jima tina sañga, moha jāla bandhāyā. re nara!.4.
e sansāra asāra sāra piṇa, yāmeऽ itanā pāyā;
cidānanda prabhu sumarana seऽti, dharie neha savāyā. re nara!.5.

<p>अध्यात्म सज्जाय</p> <p>अवधू क्या मागुं गुनहीना, वे गुन गनि न प्रवीना अवधू.; गाय न जानुं बजाय न जानुं, न जानुं सुर सेवा; रीझ न जानुं रीझाय न जानुं, न जानुं पद सेवा. अवधू.१. वेद न जानुं किताब न जानुं, न लक्षन छंद; तरकवाद विवाद न जानुं, न जानुं कवि फंदा. अवधू.२. जाप न जानुं जुवाब न जानुं, न जानुं कथा वाता; भाव न जानुं भगति न जानुं, जानुं न सीरा ताता. अवधू.३. ग्यान न जानुं विग्यान न जानुं, न जानुं भजनामां; आनंद घन प्रभु के घर द्वारे, रटन करूं गुण धामा. अवधू.४.</p>	<p>śiyala vrata sajjhāya</p> <p>śiyala samuऽ vrata ko nahīऽ, śrī jinavara ema bhākhe re. sukha āpe je sāsvatāऽ, durgati pañatā rākhe re. śiyala.1. vrata paccakkhāṇa vinā juo, nava nārada jeha re. eka ja śiyala taṇe bale, gayā mukte teha re. śiyala.2. sādhu ane śrāvaka taṇāऽ, vrata che sukha-dāyī re. śiyala vinā vrata jāṇajo, kuśakā sama bhāī re. śiyala.3. taruvara mūla vinā jisyo, guṇa viṇa lālā kamāna re. śiyala vinā vrata ehavuऽ, kahe vīra bhagavāna re. śiyala.4. navavāḍe karī nirmaluऽ, paheluऽ śiyala ja dharajo re. udaya ratna kahe te pachī, vratano khapa karajo re. śiyala.5.</p> <p>adhyātma sajjhāya</p> <p>āśā <u>auranaki</u> kyā kīje, gyāna sudhārasa pīje; āśā... bhaṭake dvāra dvāra lokana ke, kūkara āśādhārī;</p>
--	--

अध्यात्म सज्जाय

जगतना खेल छे खोटा, कदी नहीं थाय मन मोटा. जग.
 सदा छे दुःख मायामां, सदा सुख ध्यान छायामां;
 प्रभुनुं नाम सुख आपे, प्रभुनुं नाम दुःख कापे. जग.१.
 प्रभु भक्ति न जो थाशे, तदा दिन दिन दुःख थाशे;
 जीभलडी गा जिनेश्वरने, हृदय तुं देवने स्मरने. जग.२.
 मुवा जे मोजमां माता, तर्या जे देवने गाता;
 जगतमां जन्म धार्यो तें, भजन विण जन्म हार्यो तें. जग.३.
 छेवटनी आंख मींचाशे, तदा तुं खूब पस्ताशे;
 हजी छे हाथमां बाजी, करी ले आतमने राजी. जग.४.
 रमत घोडा गमत गाडी, सुंदर शाय्या अने लाडी;
 मलेलो भोग पण जाशे, पाछलथी कोई ते खाशे. जग.५.
 गणी तुं फोक दुनियाने, प्रभुना भव्य गुण गाने;
 बुद्ध्यब्धि संतनो संगी, ग्रहे ते सुख गुणरंगी. जग.६.

अध्यात्म सज्जाय

प्रतिक्रमण सूत्र सह विवेचन - भाग - २

स्वप्ना जेवी दुनियादारी, कदी न तारी थनारी;
 दृष्टि खोलकर देखो हंसा, मिथ्या सब जगकी यारी. स्वप्ना.१.
 दर्पणमां प्रतिबिंब निहाली, श्वान भ्रांतिथी बहु भर्स्यो;
 जूठी माया जूठी काया, चेतन तेमां बहु धर्स्यो. स्वप्ना.२.
 निज छाया कूप-जलमां देखी, कूदी कूपे सिंह पड्यो;
 पर पोतानुं मानी चेतन, चार गतिमां रडवड्यो. स्वप्ना.३.
 छीपोमां रूपानी बुद्धि, मानी मूरख पस्तायो;
 जडमां सुखनी बुद्धि धारी, ज्यां त्यां चेतन बहु धायो. स्वप्ना.४.
 कुटुंब कबीलो मारो मानी, कीधां कर्मो बहु भारी;
 अंते तारुं थशे न कोई, समज समज मन संसारी. स्वप्ना.५.

ātama anubhava rasake rasīyā, ītare na kabahuo khumārī. āśā.1.
 āśā dāsīke je jāye, te jana jagake dāsā;
 āśā dāsī kare je nāyaka, lāyaka anubhava pyāsā. āśā.2.
 manasā pyālā prema masālā, brahma agni parajālī;
 tana bhāṭhī avaṭā piye kasa, jāge anubhava lālī. āśā.3.
 agama piyālā piyo matavālā, cīnne adhyātama vāsā;
 ānanda ghana cetana vhai khele, dekhe loka tamāsā. āśā.4.

adhyātma sajjhāya

avadhū kyā māguo gunahīnā, ve guna gani na pravīnā avadhū.;
 gāya na jānuo bajāya na jānuo, na jānuo sura sevā;
 rījha na jānuo rījhāya na jānuo, na jānuo pada sevā. avadhū.1.
 veda na jānuo kitāba na jānuo, na lakṣana chāndā;
 tarakavāda vivāda na jānuo, na jānuo kavi phāndā. avadhū.2.
 jāpa na jānuo juvāba na jānuo, na jānuo kathā vātā;
 bhāva na jānuo bhagati na jānuo, jānuo na sīrā tātā. avadhū.3.

90 gyāna na jānuo vigyāna na jānuo, na jānuo bhājanāmā. With Explanation – Part – 2
 ānanda ghana prabhu ke ghara dvāre, rāṭana karūo guṇa dhāmā. . avadhū.4.

adhyātma sajjhāya

jagatanā khela che khoṭā, kadi nahio thāya mana motā. jaga.
 sadā che duhkha māyāmāo, sadā sukha dhyāna chāyāmāo;
 prabhunuo nāma sukha āpe, prabhunuo nāma duhkha kāpe. jaga.1.
 prabhu bhakti na jo thāše, tadā dina dina duhkha thāše;
 jībhalaqī gā jinesvarane, hṛdaya tuo devane smarane. jaga.2.
 muvā je mojamāo mātā, taryā je devane gātā;

चैत्यवन्दनादि का संग्रह	१८
सकल-कुशल-वल्ली	१८
सामान्य जिन चैत्यवंदन	१८
Collection of caityavandana etc.	18
sakala-kuśala-vallī	18
sāmānya jina caityavandana	18
चौवीस जिन वर्ण चैत्यवंदन	१९
सीमंधर जिन दोहे	१९
cauvīsa jina varṇa caityavandana	19
Couplets of simandhara jina.....	19
सीमंधर जिन चैत्यवंदन	२०
simandhara jina caityavandana.....	20
सीमंधर जिन चैत्यवंदन	२१
सीमंधर जिन स्तवन	२१
simandhara jina caityavandana	21
simandhara jina stavana	21
सीमंधर जिन स्तवन	२२

śimandhara jina stavana	22
सीमंधर जिन स्तुति	28
सीमंधर जिन स्तुति	28
śimandhara jina stuti	24
śimandhara jina stuti	24
सिद्धाचल तीर्थ के दोहे	24
Couplets of siddhācala tīrtha	25
पुंडरीक स्वामि चैत्यवंदन	26
pūṇḍarīka svāmi caityavandana	26
सिद्धाचल तीर्थ चैत्यवंदन	27
सिद्धाचल तीर्थ स्तवन	27
siddhācala tīrtha caityavandana	27
siddhācala tīrtha stavana	27
रायण पगला स्तवन	28
rāyaṇa pagalā stavana	28
सिद्धाचल तीर्थ स्तुति	29
सिद्धाचल तीर्थ स्तुति	29

siddhācala tīrtha stuti	29
siddhācala tīrtha stuti	29
ऋषभ जिन चैत्यवंदन	39
ऋषभ जिन चैत्यवंदन	39
r̥śabha jina caityavandana	31
r̥śabha jina caityavandana	31
ऋषभ जिन स्तवन	32
r̥śabha jina stavana	32
ऋषभ जिन स्तवन	33
r̥śabha jina stavana	33
ऋषभ जिन स्तुति	38
r̥śabha jina stuti	34
भक्तामर पादपूर्ति ऋषभ जिन स्तुति	35
bhaktāmara pādapūrti r̥śabha jina stuti	35
शांति जिन चैत्यवंदन	36
शांति जिन स्तवन	36
sānti jina caityavandana	36
sānti jina stavana	36

पार्श्व जिन चैत्यवंदन	Pratikramanya Sūtra With Explanation - Part - 2
94 pārśva jina caityavandana	37
पार्श्व जिन स्तवन	38
pārśva jina stavana	38
श्रेयः श्रियां मंगल पादपूर्ति पार्श्व जिन स्तुति	39
vīra जिन तप चैत्यवंदन	39
śreyah śriyām maṅgala pādapurti pārśva jina stuti	39
vīra jina tapa caityavandana	39
२.ख. वीर जिन स्तवन	40
2.B. vīra jina stavana	40
२.ज. वीर जिन चौमासी पारणुं स्तवन	41
2.G. vīra jina caumāsi pāraṇu᳚ stavana	41
३.ग. वीर जिन स्तुति	42